RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 55 ● भिलाई, गुरुवार 28 अगस्त 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

कानून के पालन और पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध

नईदिल्ली। जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने एसआईटी गठन का आदेश दिया और एसआईटी को 12 सितंबर तक जांच रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट अब 15 सितंबर को इस मामले पर सुनवाई करेगा। रिलायंस फाउंडेशन के वंतारा ग्रीन्स जूलॉजिकल रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर पर जानवरों से दुर्व्यवहार, उनकी खरीद में कथित गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों की जांच के लिए एक एसआईटी गठित करने का आदेश दिया। इसे लेकर वंतारा का बयान सामने आया है। वंतारा ने कहा है कि वे कानून के पालन और पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध हैं। वंतारा ने कहा कि वे जांच में पूरा सहयोग करेंगे और साथ ही भविष्य में भी जानवरों के बचाव और उनके पुनर्वास के लिए काम करते रहेंगे। वंतारा ने बयान में कहा हम माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पूरा सम्मान करते हैं। वंतारा पारदर्शिता, सहयोग और कानून के पालन के प्रति समर्पित है।

बीरेन सिंह ने खारिज की मणिपुर पर पीयूसीएल की रिपोर्ट;

नईदिल्ली। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने पीयूसीएल की उस रिपोर्ट को खारिज किया है, जिसमें मणिपुर की जातीय हिंसा को सुनियोजित बताया गया है। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट समाज में अविश्वास और विभाजन को बढ़ावा देती है, जबकि राज्य को अभी शांति और एकजुटता की जरूरत है। मानवाधिकार संगठन एचआरआईएफ ने रिपोर्ट को एकतरफा, भ्रामक और भड़काऊ बताते हुए पीयूसीएल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने गैर-सरकारी संगठन पीयूसीएल (पीपुल्स यूनियन ऑफ सिविल लिबर्टीज) की उस रिपोर्ट की आलोचना की है, जिसमें कहा गया है कि मणिपुर में हुई जातीय हिंसा स्वत: नहीं बल्कि सुनियोजित थी। उन्होंने कहा कि इस तरह की रिपोर्ट केवल समाज में विभाजन को गहरा करती हैं, अविश्वास को बढ़ाती हैं और गलतफहमी को जन्म दे सकती हैं।

सरकार आवाज दबाना चाहती है ईडी की कार्रवाई पर भड़के केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सवाल उठाए। उन्होंने एजेंसी के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार आवाज को दबाना चाहती है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, सौरभ भारद्वाज के घर ईडी की रेड सरकार की ओर से एजेंसीज के दुरुपयोग का एक और मामला है। सरकार आम आदमी पार्टी के पीछे पड़ गई है। जिस तरह 'आप' को टारगेट किया जा रहा है।

बारिश से कई गांवों का संपर्क टूटा

बस्तर में भारी बारिश-चार लोगों की मौत

जगदलपुर/बीजापुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में पुल पार करने के दौरान एक कार के पानी में बहने से उसमें सवार दंपति और उनकी दो बेटियों की मौत हो गई. वहीं एक अन्य घटना में बीजापुर जिले में नदी पार करते समय एक व्यक्ति बह गया. पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी.जगदलपुर के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बस्तर जिले में मंगलवार शाम कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में बाढग्रस्त कांगेर नाला पार करते समय एक कार के तेज बहाव में बह जाने से एक परिवार के चार सदस्य डूब गए. उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान राजेश कुमार जी (43), उनकी पत्नी पवित्रा (40) और उनकी दो बेटियों सौजन्या (सात) और सौमैय्या (चार) के रूप में हुई है. उन्होंने बताया कि कार चालक लाला यदु ने एक पेड़ को पकड़कर अपनी जान बचाई. बाद में उसे नाले से बाहर निकाला गया.अधिकारी ने बताया कि राजेश तमिलनाडु के मूल निवासी थे और रायपुर में ठेकेदार के तौर पर काम करते थे. परिवार बस्तर घूमने गया था. उन्होंने बताया कि जब वह कांगेर नाला पार कर रहे थे तब उनकी कार नाले में डूब गई. नदी का जलस्तर कम होने के बाद मंगलवार देर शाम चारों के शव बाहर निकाले गए. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटना में,

मंगलवार को बीजापुर जिले में उफनती चेरपाल नदी को पार करते समय एक व्यक्ति बह गया. उसकी तलाश जारी है.अधिकारियों ने बताया कि राज्य के बस्तर संभाग में पिछले 36 घंटों के दौरान हो रही बारिश से क्षेत्र के कई जिलों में बाढ़ के हालात हैं. राज्य शासन ने अधिकारियों को बाढ़ की स्थिति से निपटने और राहत और बचाव कार्य शुरू करने के लिए सतर्क रहने कहा है. उन्होंने बताया कि क्षेत्र के बस्तर, बीजापुर और दंतेवाड़ा जिलों में पिछले 36 घंटों में 68 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है.

अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान में हेलीकॉप्टर, नाव और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के जवान शामिल हैं. उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में हुई अतिवृष्टि से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली. उन्होंने राजस्व सचिव एवं आपदा राहत आयुक्त रीना बाबासाहेब कंगाले और बस्तर संभाग आयुक्त डोमन सिंह से दूरभाष पर चर्चा कर राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए. राजस्व सचिव कंगाले ने मुख्यमंत्री को बताया कि दंतेवाड़ा, बीजापुर और बस्तर जिले में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है.

वाटर फॉल का आनंद लेने जा रहे थे तीरथगढ़ जलप्रपात

बताया जाता है कि तमिलनाडु का रहने वाला परिवार बरसात में वाटर फॉल का आनंद लेने के लिये तीरथगढ़ जलप्रपात घूमने के लिये जा रहा था। कार सवार मालिक 43 वर्षीय राजेश रायपुर में रहकर ठेकेदारी करता था। मंगलवार को राजेश कार में अपनी पत्नी पवित्रा 40 वर्ष, सौजन्या 7 वर्ष, सौमया 4 वर्ष को लेकर रायपुर से तीरथगढ़ घूमने के लिए जा रहे थे कि अचानक जैसे ही वाहन कांगेर घाटी के पास पहुँचा कि तेज बारिश होने से बाढ़ की बहाव में बह गया। इसके बाद चारों को बचाने के लिए दरभा पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। बरसात का पानी (बाढ़) अधिक होने के कारण पति-पत्नी सहित दोनों बच्चों ने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी पर चारों के शव को बाढ़ से निकालकर मेकाज अस्पताल जगदलपुर में पीएम के लिए भेजा गया है, जहाँ पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जायेगा। बताया जाता है कि हादसे के वक्त कार का ड्राइवर किसी तरह से तैरकर पेड़ के सहारे अपनी जान बचायी।

नक्सल-रोधी कमांडो को मिली सफलता

महाराष्ट्र-छग सीमा के पास मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर

गडचिरोल। पूर्वी महाराष्ट्र के गडचिरोली जिले में बुधवार को एक मुठभेड़ में तीन महिला नक्सलियों सहित कम से कम चार नक्सली मारे गए. यह जानकारी अधिकारियों ने दी. पुलिस के एक बयान में कहा गया कि यह घटना गडचिरोली और छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले की सीमा के पास हुई. बयान में कहा गया है कि पुलिस को 25 अगस्त को गट्टा दलम, कंपनी नंबर 10 और गडचिरोली डिवीजन के अन्य माओवादी इकाइयों के कोपरशी वन क्षेत्र में मौजूद होने के बारे में विश्वसनीय सूचना मिली थी. बयान में कहा गया है कि गडचिरोली पुलिस के नक्सल-रोधी कमांडो बल सी-60 की

19 इकाइयां और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की त्वरित कार्रवाई टीम की दो इकाइयां क्षेत्र में भेजी गईं. बयान में कहा गया है कि पिछले दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के बावजूद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओरातिजंस एम. रमेश के नेतृत्व में टीम बुधवार सुबह जंगल में पहुंची.

योगी का विपक्ष पर हमला

उत्तर प्रदेश मूलत:'बीमारू' राज्य नहीं था बल्कि वंशवाद-भ्रष्टाचार ने डुबोया था....

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश मूलत: 'बीमारू' राज्य नहीं था, बल्कि भ्रष्ट राजनीतिक दलों, वंशवाद और नियुक्तियों में पक्षपात के कारण पतन की ओर धकेला गया था। वह लोक भवन सभागार में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहाँ यूपीएसएसएससी की पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से चयनित 2,425 महिला पर्यवेक्षकों और 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। योगी ने कहा कि 1947 से 1960 तक, उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में से एक था, जिसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 14 प्रतिशत से अधिक का योगदान था। उन्होंने कहा कि यह गिरावट 1960 के बाद शुरू हुई और 1990 के बाद और तेज़ हो गई। 2017 तक, उत्तर प्रदेश का हिस्सा 8 प्रतिशत से भी कम रह गया था। उन्होंने आगे कहा कि राज्य भ्रष्टाचार, दंगों और उपेक्षा से ग्रस्त था, जिसके कारण युवाओं को पलायन करना पड़ा और उन्हें बाहर भी पहचान के संकट से जूझना पड़ा। सरकार के पारदर्शी भर्ती अभियान पर प्रकाश डालते हुए, योगी ने कहा कि अब दूरदराज और आदिवासी इलाकों के योग्य युवाओं तक अवसर पहुँच रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर युवा के सपने होते हैं, लेकिन जब वे भेदभाव का शिकार होते हैं, तो यह राष्ट्रीय क्षति है। आज की निष्पक्ष नियुक्तियाँ

साबित करती हैं कि प्रतिभा हर जगह है—बस उसे अवसर की ज़रूरत है। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त महिला पर्यवेक्षकों और फार्मासिस्टों को बधाई दी और पोषण एवं बाल कल्याण सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र 2047 के विकासशील भारत की नींव होंगे और इस बात पर ज़ोर दिया कि एक स्वस्थ बचपन एक समृद्ध भविष्य का निर्माण करता है। उन्होंने नियुक्त लोगों से ईमानदारी और बिना किसी भेदभाव के सेवा करने का आग्रह किया और उनकी भूमिका की तुलना भगवान कृष्ण का पालन-पोषण करने वाली माता यशोदा से की। स्कूलों के विलय की विपक्ष की आलोचना का जवाब देते हुए, योगी ने कहा कि जीर्ण-शीर्ण स्कूलों का स्थानांतरण और छात्र-शिक्षक अनुपात में सुधार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप है।

खतरे में लाखों नौकरियाँ,खरगे का मोदी पर निशाना

आपके मित्र डोनाल्ड के टैरिफ से 2.17 लाख करोड़ का नुकसान...

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय आयात पर दोगुना टैरिफलगाने के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि उनके प्रिय मित्र के इस कदम से भारत को अकेले 10 क्षेत्रों में पहला झटका के रूप में अनुमानित 2.17 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा। ङ्ग पर एक पोस्ट में, खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने इस प्रभाव को कम करने और किसानों की आजीविका की रक्षा के लिए बिल्कुल कुछ नहीं किया है। खड़गे ने आगे कहा कि आपके प्रिय मित्र

अबकी बार, ट्रंप सरकार ने आज से भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। इस टैरिफके पहले झटके के रूप में, अकेले 10 क्षेत्रों में, हमें अनुमानित 2.17 लाख करोड़ का नुकसान होगा। हमारे किसान, खासकर कपास उत्पादक किसान, बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। आपने कहा था कि आप उनकी रक्षा के लिए कोई भी व्यक्तिगत कीमत चुकाने को तैयार हैं, लेकिन आपने इस झटके को कम करने और उनकी आजीविका की रक्षा के लिए बिल्कुल कुछ नहीं किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि टैरिफ के कारण भारत को अपने सकल घरेलू उत्पाद का एक प्रतिशत नुकसान होगा ।और इसका लाभ चीन को मिलेगा। उन्होंने प्रमुख क्षेत्रों में नौकरियों के नुकसान की ओर भी ध्यान आकर्षित किया और कहा कि अमेरिकी टैरिफ से एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) प्रभावित हो रहे हैं।

अब दुनिया के दर्जनों देशों में जो ईवी चलेगी, उसमें लिखा होगा मेड इन इंडिया

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में टीडीएस लिथियम-आयन बैटरी संयंत्र में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के प्रोडक्शन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने सुजुकी की इलेक्ट्रिक व्हीकल ई-विटारा को भी हरी झंडी दिखाई। पीएम ने इस मौके पर कहा, आज से भारत में बनी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स 100 देशों को एक्सपोर्ट की जाएंगी। इसके साथ ही, आज हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोल मैन्युफैक्चरिंग की भी शुरुआत हो रही है। यह दिन भारत और जापान की दोस्ती को भी एक नया आयाम दे रहा है। मैं सभी देशवासियों, जापान और सुजुकी कंपनी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

वोटर अधिकार यात्रा में राहुल गांधी का आरोप

गुजरात कोई आर्थिक मॉडल नहीं वोट चोरी का मॉडल है-राहुल....

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा नेता राहुल गांधी ने राजद नेता तेजस्वी यादव और सीपीआई (एमएल) नेता दीपांकर भट्टाचार्य के साथ बुधवार को मुजफ्फरपुर में 'मतदाता अधिकार यात्रा' निकाली। उनके साथ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके सांसद कनिमोझी भी शामिल हुए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि यहां आते समय 6 साल के बच्चों के एक समूह ने मेरी तरफ देखा और कहा 'नरेंद्र मोदी वोट चोर'। 6 साल के बच्चे भी समझ गए हैं कि भारत में वोट

चोरी हो रहे हैं। कुछ दिन पहले अमित शाह ने कहा था कि भाजपा अगले 40 साल तक सत्ता में रहेगी। राहुल ने कहा कि राजनीति में क्या होगा, यह कोई नहीं जानता, लेकिन अमित शाह अगले 40 साल का भविष्य जानते हैं। कैसे? वोट चोर। भाजपा पर निशान साधते हुए उन्होंने कहा कि वोट चोरी की शुरुआत 2014 से पहले गुजरात में हुई थी। और 2014 में वे इसे राष्ट्रीय स्तर पर ले आए। गुजरात मॉडल कोई आर्थिक मॉडल नहीं है; यह 'वोट चोरी' का मॉडल है। उन्होंने मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव चुराए। हमने कुछ नहीं कहा क्योंकि हमारे पास कोई सबूत नहीं था। लेकिन हमें महाराष्ट्र में सबूत मिल गए क्योंकि उन्होंने वहाँ बहुत ज़्यादा वोट चुराए। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में लगभग 1 करोड़ वोट और जोड़ दिए।

ऑपरेशन सिंदूर से लोगों में संतुष्टि आई....

जिसे ऑपरेशन महादेव ने आत्मविश्वास में बदला-अमित शाह

नयी दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव ने आतंक के आकाओं को स्पष्ट संदेश दिया कि भारतीय नागरिकों को निशाना बनाने पर उन्हें परिणाम भुगतने होंगे. शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से लोगों को जहां संतुष्टि मिली वहीं ऑपरेशन महादेव ने इस संतुष्टि को आत्मविश्वास में बदला.गृह मंत्री ने यह बात सेना के उन 12 जवानों को सम्मानित करते हुए कही, जिन्होंने ऑपरेशन महादेव को सफलतापूर्वक अंजाम दिया और पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को मार गिराया. इस अभियान में शामिल जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के दो-दो जवानों को भी सम्मानित किया गया. ये दोनों अभियान 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए क्रूर हमले का सीधा जवाब थे, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे.गृह मंत्री ने कहा, चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सभी ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव को लेकर खुशी एवं उत्साह महसूस किया और सुरक्षा बलों के प्रति आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति यही विश्वास हर क्षेत्र में दुनिया में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने की भारत की आकांक्षा का आधार है. सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में मई में ऑपरेशन सिंदूर चलाया था जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों एवं सैन्य

प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया था.पहलगाम नरसंहार के तुरंत बाद शुरू किये गए ऑपरेशन महादेव में 28 जुलाई को तब सफलता मिली, जब सेना के विशिष्ट पैरा कमांडो ने मुख्य साजिशकर्ता सुलेमान उर्फ आसिफ और उसके दो सहयोगियों जिबरान और हमजा अफगानी को मार गिराया. यह अभियान तब शुरू किया गया जब तकनीकी सिग्नल से पता चला कि अपराधियों ने सैटेलाइट फोन का इस्तेमाल किया है.शाह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव ने आतंक के आकाओं को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारतीय नागरिकों की जान से खेलने का क्या परिणाम होता है. गृह मंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों ने दुनिया को दिखा दिया है कि आतंकवादी चाहे कोई भी रणनीति अपना लें, वे अब भारत को नुकसान पहुंचाकर बच नहीं सकते. राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की न्यायालयी विज्ञान प्रयोगशाला ने पुष्टि की है कि 28 जुलाई को मारे गए आतंकवादी वास्तव में पहलगाम नरसंहार के अपराधी थे.उन्होंने कहा कि जब कश्मीर में पर्यटन फल-फूल रहा था, तब पहलगाम हमला 'कश्मीर मिशन' को पटरी से उतारने का एक असफल प्रयास था. गृह मंत्री ने कहा कि सेना और अर्धसैनिक बलों के साथ-साथ, जम्मू-कश्मीर पुलिस भी अब आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभा रही है.

पहलगाम हमला 'कश्मीर मिशन' को पटरी से उतारने का असफल प्रयास

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब कश्मीर में पर्यटन अपने चरम पर था, पहलगाम हमला 'कश्मीर मिशन' को पटरी से उतारने का एक असफल प्रयास था। शाह ने यह भी कहा कि सेना और अर्धसैनिक बलों के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस अब आतंकवाद के खिलाफलड़ाई में अग्रणी भूमिका निभा रही है। गृह मंत्री ने कहा, 'चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सभी ने ऑपरेशन सिंदूर और महादेव को लेकर खुशी और उत्साह महसूस किया और सुरक्षा बलों के प्रति आभार व्यक्त किया।' उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा में यही विश्वास भारत की हर क्षेत्र में दुनिया में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने की आकांक्षा का आधार है।

CMYK

अंतरिक्ष रथ को महापौर रामू रोहरा ने दिखायी हरी झंडी

धमतरी। अंतरिक्ष विज्ञान में रुचि रखने वाले बच्चों के लिए आज का दिन विशेष रहा। धमतरी के पीएम एम आर डी गवर्नमेंट हाईस्कूल बठेना में अंतरिक्ष ज्ञान अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में अंतरिक्ष रथ को महापौर रामू रोहरा एवं कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ आगामी 15 दिनों तक जिले के 45 विद्यालयों का भ्रमण करेगा तथा विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और आधुनिक तकनीकों से अवगत कराएगा। इस अवसर पर एम आर डी हाईस्कूल परिसर में स्पेस एग्ज़िबिशन रोड ट्रिप का आयोजन किया गया। इसमें रॉकेट एवं सैटेलाइट मॉडल, दूरबीन, ड्रोन, वर्चुअल रियलिटी उपकरण सहित कई वैज्ञानिक प्रयोगों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही मंगलयान, चंद्रयान एवं गगनयान मिशनों की प्रेरणादायक यात्रा को प्रस्तुत कर विद्यार्थियों को अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। महापौर रामू रोहरा ने कहा कि हम आधुनिक युग में जी रहे हैं। आज भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। चंद्रयान द्वारा दक्षिण ध्रुव तक पहुँचना हम सबके लिए गौरव का विषय है। हमारा प्रयास है कि जिले के बच्चे भी इस उपलब्धि से प्रेरित होकर विज्ञान और अंतरिक्ष की ओर आकर्षित हों। यदि आज के युवा आधुनिक गतिविधियों से नहीं जुड़ेंगे तो भविष्य की दौड़ में पीछे रह जाएंगे। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान केवल वैज्ञानिकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर विद्यार्थी की जिज्ञासा को पंख देता है।

आने वाले समय में विज्ञान और तकनीक ही विकास का सबसे बड़ा आधार होगा। अंतरिक्ष रथ के माध्यम से बच्चों को प्रयोगात्मक शिक्षा देकर उनके भीतर नई सोच और नई ऊर्जा का संचार किया जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रीमती रोमा श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह अभियान ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए समान रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। बच्चे जब अपने आसपास अंतरिक्ष उपकरण और तकनीक को देखेंगे तो निश्चित ही उनकी वैज्ञानिक दृष्टि और आगे बढ़ेगी। हमारा लक्ष्य है कि जिले से भी आने वाले समय में वैज्ञानिक और अंतरिक्ष यात्री तैयार हों। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रदर्शनी का अवलोकन किया और अंतरिक्ष से जुड़े कई प्रश्न भी पूछे। आयोजन का उद्देश्य बच्चों को अंतरिक्ष की ओर प्रेरित करना और उन्हें चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाकर भविष्य में इसरो जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुँचाना है। कार्यक्रम में ड्रिम्स आफ यंग साइंस फाउंडेशन के रविशंकर कुमार, आनंद नागेश सैटेलाइट इंजिनियर, सुभाष देवांगन एक्सक्लूसिव इंजिनियर, शिवसिंह भदोरिया एक्सक्युटिव को कार्डिनेटर, जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल, देवेश सूर्यवंशी, एन के साहू, संस्था प्राचार्य रविन्द्र कुमार साहू, राजेन्द्र सिन्हा व विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

वन्य प्राणी शिकारियों पर वन विभाग कार्यवाही चीतल मांस सहित दो आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

बलौदाबाजार। वनमण्डलाधिकारी गणवीर धम्मशील के मार्गदर्शन में परिक्षेत्र अधिकारी अर्जुनी रूपेन्द्र कुमार साहू और उनकी टीम ने अवैध शिकार करते हुए दो अपराधियों को पकड़ा हैद्व एक आरोपी फरार है जिसकी पतासाजी की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को सराईपाली परिसर रक्षी पूनमचन्द फेकर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कक्ष क्रमांक 341, अर्जुनी से सराईपाली मार्ग (झाला ढोड़गी के पास) पर दो व्यक्ति मोटरसायकल से अवैध शिकार का मांस लेकर आ रहे हैं। सूचना पर गांजरडीह परिसर प्रभारी भरतलाल साहू, सुरक्षा श्रमिकों एवं टीम द्वारा तत्काल घेराबंदी कर कार्रवाई की गई।जांच में दो व्यक्तियों भूषण प्रसाद पिता रंजीत कोड़ाकू एवं कोमलसाय पिता कार्तिक कोड़ाकू, निवासी ग्राम बिलाड़ी, के पास से 23.620 किलोग्राम ताजा चीतल का मांस, एक मोटरसायकल एवं दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूछताछ में अभियुक्तों ने उक्त मांस ग्राम अर्जुनी निवासी अनिल पिता चमारसिंग बरिहा से लेना बताया जो वर्तमान में फरार है।प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 एवं वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम 2022 की धारा 9, 39, 44, 48(क), 50 एवं 51 के तहत अपराध कायम कर पी.ओ.आर. नं. 15670/17 दिनांक 24/08/2025 दर्ज किया गया। दोनों आरोपियों को न्यायालय कसडोल में प्रस्तुत कर बलौदाबाजार जेल दाखिल कराया गया। फरार आरोपी अनिल पिता चमारसिंग बरिहा सहित अन्य संभावित आरोपियों की पतासाजी की जा रही है। कार्रवाई के दौरान प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारी डब्बू साहू, प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारी रूपेश्वरी दीवान, प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारी मीनाक्षी साहू, वनपाल भरतलाल साहू, परिसर रक्षी पूनमचन्द फेकर, वनरक्षक प्रवीण कुमार आडिले, वनरक्षक दिनेश कर्ष मौजूद थे।

केसीपीएस कुरूद की परिधि पांडेय ने गोल्ड मेडल हासिल कर नेशनल में बनाया स्थान

स्टेट लेबल कुड़ो स्पर्धा में दिखाया जौहर, राष्ट्रीय स्तर पर दिखाएगी अब जौहर

कुरूद। कलीराम चंद्राकर पब्लिक स्कूल कुरूद की कक्षा चौथी की होनहार छात्रा परिधि पांडेय पिता संदीप पांडेय ने स्टेट लेबल कुड़ो स्पर्धा में गोल्ड मेडल हासिल कर स्कूल ही नही बल्कि नगर और जिले का नाम रोशन किया है। स्वामी विवेकानन्द सभागृह दुर्ग में 22 से 24 अगस्त तक हुए स्टेट लेबल कुड़ो स्पर्धा में उन्होंने अपने लय, मेहनत और जज्बे से शानदार प्रदर्शन करते हुए यह मुकाम पाया है। अब वह आगामी महीने में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए प्रदेश का नाम रोशन करेंगी।इससे पूर्व 17 अगस्त को उन्होंने रायपुर में हुए जिला स्तरीय स्पर्धा में सफलता हासिल करते हुए राज्य स्तरीय मे स्थान बनाया था। उन्हे नेशनल कोच संतोष निर्मलकर एवं कुश पाल से ताइक्कांडो, कूड़ो मार्शल आर्ट का मार्गदर्शन मिल रहा है और लगातार मेहनत करती रही और सफलता आपके सामने है। परिधि को इस खेल में दक्षता और तकनीक उनके कोच के मार्गदर्शन और खुद की कड़ी मेहनत से मिला है।मुझे उम्मीद है कि अगले दौर में भी वह इस शानदार लय को बरकरार रखते हुए शानदार सफलता हासिल करेगी। विदित है कि परिधि पांडेय कुरूद नगर की शैक्षणिक संस्था कलीराम चंद्राकर पब्लिक स्कूल में वर्तमान में कक्षा चौथी में अध्ययनरत है। वह पढ़ाई के साथ-साथ खेल, नृत्य सहित विभिन्न विधाओं में अग्रणी रही है। बचपन से मेघावी रही यह बेटी विद्यालय में भी अपनी कला ,लगन और मेहनत से सबका दिल जीतती रही है। प्राचार्य के मंजीता ठाकुर ने कहा कि परिधि प्रारंभ से ही हर विधाओं में अग्रणी रही है। उसकी सफलता से विद्यालय परिवार गौरवान्वित है।उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर यह मुकाम हासिल किया है।आने वाले समय में वह और आगे तक जाएंगी। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रबंधक विश्वनाथ चंद्राकर, उपप्रबंधक योगेश चंद्राकर,प्राचार्य के मंजीता ठाकुर, शिक्षक स्टॉफ,पालकों,नगर के गणमान्य जनों,पालकों सहित शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए अगले पड़ाव के लिए शुभकामना प्रेषित की है।

शहर मे स्वच्छता बनाये रखने निगम द्वारा सराहनीय कदम उठाए जा रहे

भंवरपुर। नगर पालिक निगम आयुक्त प्रिया गोयल के निर्देशानुसार शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु प्रतिदिन इंजीनियरों द्वारा मॉर्निंग विजिट की जा रही है। इस दौरान संबंधित वार्डों में जाकर साफसफाई की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया जाता है और नागरिकों को गीला एवं सूखा कचरा अलग रखने, घर.घर से निकलने वाले कचरे को समय पर निगम वाहन में देने तथा सड़क, नालियों और सार्वजनिक स्थलों पर कचरा न फैलाने के लिए जागरूक किया जाता है। इसी क्रम में रुद्री रोड क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कुछ लोगों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर घरेलू कचरा फेंका जा रहा था तथा विंध्यवासिनी मंदिर के पास सीएनडी वेस्ट कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट लापरवाहीपूर्वक रख दिया गया था, जिससे न केवल आसपास का वातावरण प्रदूषित हो रहा था, बल्कि आमजनों को भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। इस पर नगर निगम की टीम ने तत्काल संज्ञान लेते हुए दोषियों के विरुद्ध 1600 रू. चालानी कार्रवाई की। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट कहा है कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना केवल निगम की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। यदि हर व्यक्ति गीला और सूखा कचरा अलग रखने की आदत अपनाए और स्वच्छता नियमों का पालन करे, तो न केवल शहर की सफाई व्यवस्था बेहतर होगी बल्कि कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन में भी बड़ी मदद मिलेगी। साथ ही गंदगी फैलाने वालों पर समय.समय पर कार्रवाई जारी रहेगी। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आसपास साफ सफाई बनाए रखें, सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंके और निर्माण कार्य से निकलने वाले मलबे का उचित निस्तारण करें। अन्यथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान उप अभियंता लोमश देवांगन, कमलेश ठाकुर, नमिता नागवंशी, श्यामू सोना, जिनेन्द्र मारकंडे एवं आतिश मिश्रा उपस्थित रहे और पूरे अभियान का संचालन किया।

पानी रोकने नहरों को क्षति पहुंचाने वालों पर होगी कार्यवाही

बलौदाबाजार। खेतों में ज्यादा पानी का उपयोग करने के लिए नहरों को क्षतिग्रस्त कर दिया जा रहा है जिससे नहर का पानी आगे गांव तक नहीं पहुंच पा रहा है। इस समस्या को गंभीरतापूर्वक लेते हुए कलेक्टर दीपक सोनी ने सोमवार को जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को तलब कर जानकारी ली और शासकीय परिसपत्ति नहर को क्षति पहुंचाने वालों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि नहर को क्षति पहुंचाने वालों से जुर्माना वसूल किया जाया। यदि किसी पंचायत के द्वारा नहर को क्षति पहुंचाया जाता है तो एसडीएम के द्वारा नोटिस जारी कर सिंचाई अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत कार्यवाही किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सभी किसानों को पानी की जरूरत है। इस बात को ध्यान में रखते हुए नहर को क्षतिग्रस्त नहीं किया जाना चाहिए। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि विगत 12 अगस्त से गंगरेल डेम से नहर के लिए पानी छोडा गया है। कुछ लोगों द्वारा गेट से छेड़खानी कर नहरों के छोटे माईनरो को बीच -बीच में काट दिया जा रहा है जिससे खरीफ सीजन हेतु जल प्रदाय करने एवं अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने में दिक्कत हो रही है। सरकारी संपत्ति को क्षति पहुंचाने अथवा जल प्रवाह को रोकने पर सम्बधित के विरुद्ध सिंचाई अधिनियम 1931 की धारा 94 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

ट्रांसपोर्टरों को दी गई नियमों की जानकारी

बलौदाबाजार। मोटर परिवहन अधिनियम 1961 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिले के समस्त मोटर ट्रांसपोर्टरों के साथ जनपद पंचायत बलौदाबाजार के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। श्रम पदाधिकारी सूरज कुमार ने माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी निर्देशो की प्रभावशीलता, सामान्य कार्य घंटे, स्प्रेड ओवर, आराम अंतराल, रात्रि कार्य प्रतिबंध, साप्ताहिक विश्राम, ओवर टाईम के लिए ट्रांसपोर्ट उपक्रम के कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही समस्त मोटर उपक्रमों को मोटर परिवहन अधिनियम 1961 के अंतर्गत पंजीयन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। अधिनियम के उल्लंघन पर प्रावधानित दंड एवं सजा जिसमें 500 तक जुर्माना व तीन माह की सजा व दोनों से अवगत कराया गया। जिला परिवहन अधिकारी सी.एल. देवांगन द्वारा समस्त ट् सभी वाहन संचालको को सुरक्षित वाहन संचालन तथा यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहन संचालन करने के निर्देश दिये गये। साथ ही ट्रक संचालकों को माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर के निर्देशानुसार मालयानों से सामाग्री परिवहन करते समय 200 जीएसएम मापदंड की तारपोलिन से आवश्यक रूप से ढ़कने के निर्देश दिए गए।

शिक्षामंत्री ने किया गीत संग्रह प्रेम की पाती का विमोचन

मानवतावाद,सेवाभाव,राष्ट्रप्रेम और मानवीय संवेदनाओं को उजागर करने की अलौकिक झलक है यह पुस्तक

भंवरपुर। मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण प्राप्त, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अरेकेल के शिक्षक प्रेमचन्द साव 'प्रेम' द्वारा लिखित मानवतावाद,सेवाभाव,राष्ट्रप्रेम और मानवीय संवेदनाओं को उजागर करने की अलौकिक झलक दिखलाती पुस्तक गीत संग्रह प्रेम की पाती का विमोचन लोकसभा सांसद रुपकुमारी चौधरी, बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल के उपस्थिति में छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षामंत्री गजेन्द्र यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर गीत संग्रह प्रेम की पाती के प्रकाशन पर बधाई देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि इन सबमें मुझे एक समर्पित शिक्षक की पुण्य भावनाओं की एक शुभ्र लहर दिखती है जो आपके शैक्षणिक क्षेत्र एवं साहित्यिक पहचान को रेखांकित करेगी। यह गीत संग्रह मानवता और अध्यात्म से दूर होते लोगों को पुनः मानवता धर्म से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा।बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने कवि के व्यक्तिगत तृतीय काव्य संग्रह प्रेम की पाती गीत संग्रह की प्रशंसा करते हुए कहा कि निश्चित ही यह पुस्तक हमारे मानव समाज के लिए उपयोगी व ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी। हमारे सत्य सनातन धर्म एवं मानवता के भावों को अपने आप में समेटे,भारतीय संस्कृति, संस्कार,रीति-रिवाज एवं परिपाटियों को उजागर करती यह पुस्तक सफलता के शिखरों पर निश्चित ही पहुंचेगी, जिसका प्रतिफल पाठकों को भी अवश्य प्राप्त होगा। महासमुन्द सांसद रुपकुमारी चौधरी ने भी प्रेम की पाती गीत संग्रह के लिए कवि को बधाई दी।शिक्षक प्रेमचन्द साव साहित्य लेखन में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज होने के साथ ही साथ विद्यालय में विभिन्न गतिविधियों एवं नवाचारों के लिए जाने जाते हैं। साहित्य लेखन व शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु सैंकड़ों पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।शुभदा प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक में भूमिका लेखन छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध व लोकप्रिय कवि डॉ.पीसीलाल यादव,शुभानुशंसा-आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री भारत सरकार तोखन साहू,बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल, राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षक व साहित्यकार रमेश कुमार सोनी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुड़केल के प्राचार्य बलदेव मिश्रा,संभागीय लेखा अधिकारी जगत राम साव,कला कौशल साहित्य संगम जनसेवा संस्थान छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष कौशल महंत द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित किया गया है। गीत संग्रह सृजन के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए कवि व शिक्षक प्रेमचन्द साव ने कहा हमें चाहिए कि अपने जीवन काल में कुछ तो ऐसा करें जिससे मानवता के भावों को जीवित रहने हेतु बल मिले, इसलिए मेरा छोटा सा प्रयास प्रेम की पाती के रूप में पाठकों को पसन्द आएगा। पुस्तक विमोचन होने पर छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश संयोजक सुधीर प्रधान,सीजीटीए बसना अध्यक्ष गजेन्द्र नायक,पिथौरा अध्यक्ष महेन्द्र चौधरी, बसना सचिव वारिश कुमार,जिला प्रवक्ता लोरिश कुमार,हीराधर साव,डिजेन्द्र कुर्रे,संतराम बंजारा,अरुण प्रधान,संयुक्त शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष विजय कुमार धृतलहरे, सहायक शिक्षक फेडरेशन संघ ब्लॉक अध्यक्ष शरण दास,विकास खंड बसना शैक्षिक संकुल समन्वयक संघ के अध्यक्ष अनिल सिंह साव,सचिव सुरेश नंद,प्रीति साव, राजकुमार निषाद,रत्ना कर,रेखा पाण्डेय, आसमां परविन,सरिता सिदार,सरविंद सिदार आदि शिक्षक शिक्षिकाओं ने बधाई दिया।

संसार के सभी जीवो के प्रति परमात्मा के हृदय में करुणा का भाव होता है : प्रशम सागर

धमतरी। परम पूज्य उपाध्याय प्रवर अध्यात्मयोगी महेंद्र सागर जी महाराज साहेब परम पूज्य उपाध्याय प्रवर युवामनीषी स्वाध्याय प्रेमी मनीष सागर जी महाराज साहेब के सुशिष्य परम पूज्य प्रशम सागर जी महाराज साहेब परम पूज्य योगवर्धन जी महाराज साहेब श्री पार्श्वनाथ जिनालय इतवारी बाजार धमतरी में विराजमान है। 26 अगस्त 2025 को परम पूज्य प्रशम सागर जी महाराज साहेब ने प्रवचन के माध्यम से फरमाया कि परमात्मा अपने लिए स्वयं नियम बनाते है और पालन भी करते है। परमात्मा स्वयं गुरु भी होते है और स्वयं शिष्य भी होते है। परमात्मा नेतृत्वकर्ता है और जो जीव परमात्मा के नेतृत्व को स्वीकार कर लेता है उसके जीवन का उद्धार निश्चित होता है। भगवान महावीर 30 वर्ष की आयु में संयम जीवन स्वीकार कर लेते है। उसके बाद साढ़े बारह वर्ष छदमस्त अर्थात साधना में रहते है। इस काल में साधना करते हुए अपने कर्मों को उदय में लाकर उसका उपशम करते है। इस छदमस्त काल में परमात्मा को अनेक उपसर्ग सहन करना पड़ता है। परमात्मा के जीवन में आने वाले उपसर्ग को अपने अवधिज्ञान से देखकर इंद्र परमात्मा से निवेदन करते है कि हे भगवान आपकी साधना काल बहुत कठिन होगी। इसलिए आप मुझे आज्ञा दे की आपके छदमस्त काल तक आपके साथ रहूं और आने वाले उपसर्गों का निवारण कर सकूं। यह सुनकर भगवान कहते है हे इंद्र आज तक ऐसा न हुआ है न होगा कि कोई देव आदि की सहायता लेकर सिद्ध हुआ हो। सेवा और साधना एक साथ नहीं चल सकता। मेरे कर्मों का उदय होगा तो मुझे ही भोगना भी पड़ेगा। 24 तीर्थंकरों में भगवान महावीर सबसे कम आयु के तीर्थंकर हुए लेकिन सबसे अधिक उपसर्ग भी आपने ही सहन किया। भगवान महावीर के जीवन का एक एक प्रसंग श्रवणीय और वंदनीय और पूज्यनीय है।

परमात्मा अपने साधना काल में अर्थात छदमस्त काल में शरीर की सुश्रुषा का त्याग करते है। हम संसार में किसी को भी साधन, सुविधा और संपत्ति से जानने पहचानने का प्रयास करते है जबकि महापुरुष अपने व्यक्तित्व अर्थात आचरण से और साधना से पहचाने जाते है। एक बार परमात्मा विचरण करते करते एक जंगल के पास पहुंचते है। उस जंगल में एक अत्यंत जहरीला दृष्टिविष सर्प रहता था जिसका नाम चंडकौशिक था। वह परमात्मा को अपने निकट आते देखकर क्रोधित हो जाता है। फिर परमात्मा जब चंडकौशिक के निकट आते है वह परमात्मा के पैरों को डस लेता है। यहां पर परमात्मा के पैरों से खून के स्थान पर दूध की धारा बहने लगती है। ज्ञानी कहते है संसार के सभी जीवो के प्रति परमात्मा के हृदय में करुणा का भाव होता है। संसार के सभी जीव के लिए परमात्मा के हृदय में मां जैसी ममता होती है। इसलिए परमात्मा के पैरों से खून के स्थान पर दूध बहने लगता है। चंडकौशिक के डसने पर परमात्मा महावीर उसे प्रतिबोध देते हुए कहते है- बुझ्झ बुझ्झ चंडकौशिक। परमात्मा का यह वचन सुनकर वह चंडकौशिक सर्प जागृत हो जाता है और विचार करता है कि मैने किस तरह कर्म करके अपने भव को बिगाड़ लिया। यह विचार करते करते वह सर्प शांत हो जाता है और यही पर चंडकौशिक सर्प को सम्यकत्व प्राप्त हो जाता है। यही पर चंडकौशिक परमात्मा से आत्मकल्याण हेतु नियम ले लेता है। 15 दिन में सर्प का काल धर्म हुआ। वह सर्प यहां से आठवें देवलोक में गया। एक बार भगवान को शीतोपसर्ग होता है। परमात्मा इसे समता भाव से सहन कर लेते है। तब परमात्मा को लोकावधि ज्ञान प्राप्त होता है। एक ही रात्रि में संगमदेव भगवान महावीर को 20 उपसर्ग देते है। लेकिन परमात्मा जरा भी चलायमान नहीं होते। अंत में वह संगमदेव हार मन लेते है। और परमात्मा को वंदन करके पंख लौट जाता है। जब परमात्मा को संगमदेव उपसर्ग देते है तब परमात्मा शांत रहते है। लेकिन जब जब संगम देव पुनः लौटने लगते है तब परमात्मा की आंखों में इस विचार से आंसू आ जाते है कि मेरे निमित्त इस संगम ने जो कर्मों का बंध किया है उससे इसे कैसे छुटकारा मिलेगा। आगे विहार करते करते परमात्मा अपने जीवन में राजा की पुत्री हो, पैरों में लोहे की बेड़ी हो, आंखों में आंसू हो, 3 दिन की भूखी हो। इस तरह कुल 13 विलक्षण अभिग्रह लेते है किंतु परमात्मा का अभिग्रह पूर्ण नहीं होता है। इस कारण परमात्मा आहार नहीं लेते है। परमात्मा विचरण करते करते आगे बढ़ते रहते है। दूसरी ओर चंदनबाला जो राजपुत्री थी। शत्रु देश का सैनिक उसे उठाकर ले गया था और एक सेठ को बेच देता है। उस सेठ की सेठानी यह समझ नहीं पाती है। और सेठ के व्यापार के लिए बाहर जाने पर चंदनबाला के हाथ पैरों में बेड़ी डालकर काल कोठरी में डाल देती है। 3 दिन बाद जब सेठ लौटकर वापस आता है । उस चंदन बाला के बारे में पूछते है। पूरी जानकारी होने पर उसे काल कोठरी से निकालते है। और उसे बैठाकर खाने के लिए उड़द के बाकुले देते है । इस समय चंदनबाला विचार करती है। ऐसे तो मेरा तीन दिन भूखे ही निकल गया । अगर कोई अतिथि आ जाए तो उसे कुछ देकर आकर करूं। यह विचार करते हुए वह घर के के बाहर चौखट पर आ जाती है। दूसरी ओर से भगवान महावीर आहार के लिए उधर से निकलते है। यह देखकर चंदनबाला आहार के लिए निवेदन करती है। परमात्मा देखते है कि 13 में से उनके 12 अभिग्रह तो पूर्ण हो रहा है। किंतु आंखों में आंसू नहीं है। यह देखकर परमात्मा पुनः लौट जाते है। परमात्मा को लौटते हुए देखकर चंदनबाला की आंखों में आंसू आ जाते है। तब परमात्मा पुनः लौटकर आते है और चंदनबाला के हाथ से आहार ले लेते है। यहां पर परमात्मा के 5 माह 25 दिन के उपवास का पारणा होता है। परमात्मा को उत्कृष्ट उपसर्ग के रूप में कानों में खिले ठोकने का उपसर्ग हुआ। फिर खरक वैद्य आकर परमात्मा की सेवा करता है। वह वैद्य मरकर पांचवें देवलोक में जाता है। भगवान महावीर ने साढ़े बारह वर्ष साधनाकाल अर्थात छदमस्त अवस्था में केवल 365 दिन आहार लिया। साथ ही लगातार 2 दिन आहार नहीं लिया। इस काल में केवल 2 घड़ी अर्थात 48 मिनट परमात्मा को नींद आई। ऐसे परमात्मा महावीर को ऋजूबालिका नदी के तट पर गोदुग्ध आसान में केवलज्ञान प्राप्त हुआ। जो आत्मा छपक श्रेणी की ओर आगे बढ़ता है उनको ही शुक्लज्ञान प्राप्त होता है। केवलज्ञान प्राप्त होने के बाद शमवशरण की रचना देवो द्वारा की जाती है। इस शमवशरण में बैठकर परमात्मा जीवमात्र के कल्याण के लिए देशना देते है। परमात्मा अपने अंतिम समय में पावापुरी में हस्तिपाल राजा की जीर्णशाला में पधारते है। यहां पर कार्तिक वदी अमावस्या के दिन निर्वाण हो जाता है। अब परमात्मा कभी भी इस संसार में पुनः लौटकर नहीं आयेंगे। तपस्या के क्रम में मानसी बरडिया सुपुत्री अभय बरडिया 15 उपवास, श्रुति बरडिया सुपुत्री संजय बरडिया 09 उपवास, अभिषेक सुपुत्र निर्मल श्रीश्री माल 08 उपवास, मधु धर्मपत्नी आशीष डागा 08 उपवास, राखी धर्मपत्नी स्व.संजय संकलेचा 07 उपवास, सुशीला धर्मपत्नी धनपत बरडिया 07 उपवास, स्नेहा सुपुत्री निर्मल श्रीश्री माल 07 उपवास, रेखा धर्मपत्नी राजेंद्र गोलछा 07 उपवास, पूजा अंकित छाजेड़ 09 उपवास, शिशिर सेठिया सुपुत्र महेश सेठिया 07 उपवास, दिव्य सुपुत्र गौरेश शाह 06 उपवास, चेतन सुपुत्र महेश बरडिया 10 उपवास।

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

रायपुर। अटारी ओव्हरब्रीज के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मामले में कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक अनिल कुमार निषाद 31 वर्ष ग्राम भाठा सोरही थाना बेरला जिला बेमेतरा का रहने वाला था। बताया जाता है कि वह अपनी बाइक से कहीं जा रहा था, तभी अटारी ओव्हरब्रीज के पास अज्ञात वाहन चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दिया। जिससे बाइक सवार अनिल कुमार की मौत हो गई। मामले में कबीरनगर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

मेकाहारा परिसर से बाइक पार

रायपुर। मेकाहारा परिसर स्थित आंबेडकर मुर्ति के पास खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर मौदहापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी उत्तम दीप 33 वर्ष बैरनबाजार कोतवाली का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 केएक्स 6245 को मेकाहारा परिसर स्थित आंबेडकर मुर्ति के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

ड्रग्स के साथ तीन युवक गिरफ्तार

रायपुर। गंज थाना पुलिस ने ड्रग्स के साथ कार सवार तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार गंज थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर देवेन्द्र नगर ओव्हरब्रीज के नीचे कार सवार तीन युवकों को हिरासत में लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में हर्ष आहुजा 23 वर्ष, मोनू विश्नोई और दीप धनोरिया है। पुलिस ने इन लोगों के पास से नकदी 85300 रुपए और 27.58 ग्राम एमडीएम ड्रग्स बरामद किया है।

नशीली टेबलेट के साथ महिला गिरफ्तार

रायपुर। पुरानी बस्ती पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली टेबलेट के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपिया के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार पुरानी बस्ती पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर महाराज बंद तालाब के पास दबिश देकर आरोपिया रिया साहू 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से नाइट्रोजेपम टेबलेट 80 नग जब्त किया है।

महंत कॉलेज के पत्रकारिता विभाग में परिषद का गठन

रायपुर। गांधी चौक स्थित महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय में पत्रकारता विभाग के अंतर्गत आज महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ललित मोहन वर्मा एवं विभाग के अध्यक्ष राम प्रसाद दुबे शिक्षक श्रीमती गीता शर्मा एवं दीपा मेश्राम की उपस्थिति में प्रत्यक्ष प्रणाली से मतदान कराया गया परिषद के गठन में चुनाव उपरांत अध्यक्ष पद के पद पर प्रेम देवांगन उपाध्यक्ष तेजेश्वरी साहू सचिन तुषार शर्मा सह सचिव सुबीर सरकार निर्वाचित घोषित किए गए ।

शिक्षा से ही प्रदेश का भविष्य सुरक्षित होगा

शिक्षा विभाग के अधिकारी शिक्षण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें

- शिक्षा विभाग के अधिकारी शिक्षण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें
- स्कूल शिक्षा मंत्री ने की विभागीय काम-काज की समीक्षा
- इसके लिए उन्हें स्कूलों का नियमित निरीक्षण कर प्राचार्यों, प्रधान पाठकों और शिक्षकों से संवाद करते रहें

रायपुर/ संवाददाता

स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि बच्चों को शिक्षित करना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे विद्यालयों में शिक्षण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें और शिक्षण को विभागीय कार्यप्रणाली का केंद्र बिंदु बनाएं। मंत्री श्री यादव आज मंत्रालय महानदी भवन में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही समाज और प्रदेश का भविष्य सुरक्षित होता है, इसलिए विद्यालयों में पढ़ाई की नियमित निगरानी करना शिक्षा विभाग के प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी है। श्री यादव ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि उन्हें अपने क्षेत्र की प्रत्येक शाला की स्थिति की सम्पूर्ण और अद्यतन जानकारी रखना सुनिश्चित करें। इसके लिए उन्हें स्कूलों का नियमित निरीक्षण कर प्राचार्यों, प्रधान पाठकों और शिक्षकों से संवाद करते रहें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की सक्रियता और जिम्मेदारी से ही विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। शिक्षा मंत्री श्री यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिक्षकीय प्रशिक्षण हेतु वार्षिक कैलेंडर तैयार करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रीष्मकालीन अवकाश अवधि में ही आयोजित किए जाएं, ताकि विद्यालयीन शिक्षण कार्य प्रभावित न हो। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को नई तकनीकों, नवाचारों एवं आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराना आवश्यक है। श्री यादव ने स्पष्ट कहा कि शिक्षा विभाग से जुड़े सभी अधिकारी आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों को तभी प्रभावी बनाया जा सकता है, जब अधिकारी, शिक्षक और विद्यालय प्रबंधन मिलकर एक साझा दृष्टिकोण के साथ काम करें। बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने विभागीय संरचना, योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी पावर पाइट पेजेन्टेशन के माध्यम से दी। इस दौरान विभाग में संचालित प्रमुख योजनाओं और उनकी प्रगति पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष सुश्री रेणु जी पिल्ले भी उपस्थित थीं। बैठक में समग्र शिक्षा, एससीईआरटी, माध्यमिक शिक्षा मंडल, पाठ्य पुस्तक निगम, मदरसा बोर्ड, लोक शिक्षण संचालनालय, संस्कृत विद्या मंडलम, स्काउट-गाइड, एनसीसी एवं स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़े अन्य कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र की विभागीय गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की।

मादक पदार्थ गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। आरोपी के कब्जे से स्कुटी होण्डा डियो क्रमांक सीजी 04 क्यू ए 3254, एवं मादक पदार्थ गांजा ,कुल वजन 5.550 किलोग्राम किमती 55,500 एवं नगदी रकम 14230 रू किया गया जप्त। थाना उरला में अपराध क्रमांक 266/25 धारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर की जा रही कार्यवाही। संक्षिप्त विवरण- उरला पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम कन्हेरा रोड ब्रीज के नीचे में एक व्यक्ति अपने स्कुटी होण्डा डियो क्रमांक सीजी 04 क्यू ए 3254, में बैठा है और अपने पास में अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा रखकर ब्रिकी कर रहा है।सूचना पर टीम बनाकर रेड कार्यवाही हेतु उपनिरीक्षक तेजराम कंवर हमराह स्टाफ आर. 188 राजाराम एक्का, आर. क्र 2165 धनेन्द्र जोशी आर. 2165 नरेश प्रधान के द्वारा घटना स्थल ग्राम कन्हेरा रेड कार्यवाही कर एक अज्ञात व्यक्ति को रोड ब्रीज के नीचे स्कुटी होण्डा डियो क्रमांक सीजी 04 क्यू ए 3254, सहित घेरा बंदी कर पकडा गया, पुछताछ करने पर अपना नाम बैसाखू ध्रुव पिता ताराचंद ध्रुव उम्र 39 साल साकिन ए एच पी कालोनी उरला थाना उरला जिला रायपुर का रहने वाला बताया है। तलाशी में आरोपी के स्कूटी होण्डा डियो क्रमांक सीजी 04 क्यू ए 3254 में रखे एक सफेद कलर के प्लास्टिक के बोरी में मादक पदार्थ गांजा कुल वजन 5.550 किलोग्राम किमती 55,500 एवं आरोपी के जेब से 14230 रू बरामद किया गया है , आरोपी बैसाखू ध्रुव पिता ताराचंद ध्रुव उम्र 39 साल।

कांग्रेस का हाथ हमेशा नक्सलियों के साथ है-भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर.....

- प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने इंडी गठबंधन पर निशाना साधा, कहा रेड्डी वामपंथी नक्सलियों के समर्थक हैं और सलवा जुडूम के खिलाफ जजमेंट दिया

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने उपराष्ट्रपति पद के लिए सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाने के लिए इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए रेड्डी को वामपंथी नक्सलियों का समर्थक बताया और कहा है कि कांग्रेसनीत विपक्ष ने ऐसे व्यक्ति को उम्मीदवार बनाया है जिन्होंने वामपंथी उग्रवाद को मदद करने के लिए सलवा जुडूम के खिलाफ जजमेंट दिया था, अन्यथा वामपंथी नक्सलवाद 2020 तक खत्म हो गया होता। श्री ठाकुर ने कहा कि विपक्ष द्वारा रेड्डी को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाए जाने से एक ओर जहाँ आदिवासी समुदाय उद्वेलित हैं, वहीं दूसरी ओर एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस का हाथ हमेशा नक्सलियों के साथ है। भाजपा प्रदेश प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प को दोहराते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में नक्सलियों का सफाया हो रहा है, उसमें डीआरजी की प्रमुख भूमिका है। डीआरजी को आगे रखकर उनके भौगोलिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए आज पूरी फोर्स लड़ाई लड़ रही है, जिससे नक्सली समाप्त होते नजर आ रहे हैं। ऐसे समय में सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति प्रत्याशी बनाना आदिवासी समाज के लिए चिंता की बात है और इसके लिए कांग्रेस के लोगों को देश व प्रदेश की जनता से माफी भी मांगनी चाहिए। श्री ठाकुर ने कहा कि सलवा जुडूम के जरिए वनांचल क्षेत्र के जनजाति वर्ग के लोग नक्सलियों के खिलाफविद्रोह कर रहे थे, रेड्डी ने तब उन आदिवासियों के खिलाफ फैसला सुनाया था। उस समय कई आदिवासी परिवार शहीद हो गए थे। आज कांग्रेस के रेड्डी को उपराष्ट्रपति प्रत्याशी बनाने से कांग्रेस का चरित्र बेनकाब हो गया है।

एम्स रायपुर और बिलासपुर सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के बीच एमओयू हुआ......

- मरीजों को मिलेगा उच्चस्तरीय स्वास्थ्य लाभ
- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की प्राथमिकता है हर जिले में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं

रायपुर/ संवाददाता

बिलासपुर के शासकीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर के बीच आज एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने कहा कि इस ऐतिहासिक समझौते के जरिए बिलासपुर के डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफ को एम्स जैसे विश्वस्तरीय संस्थान से प्रशिक्षण और नवीनतम चिकित्सा तकनीकों का अनुभव मिलेगा। इससे न केवल अस्पताल की रिसर्च और उपचार क्षमता बढ़ेगी बल्कि आम नागरिकों को भी अपने ही शहर में उच्चतम स्तर की स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देशन पर उन्होंने एम्स रायपुर की कार्यप्रणाली को करीब से देखा और बिलासपुर सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में वैसी ही सुविधाओं का विकास किया जाए को लेकर योजना तैयार की। डॉ. सिंह ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की स्पष्ट प्राथमिकता है कि प्रदेशवासियों को बड़े शहरों पर निर्भर हुए बिना ही अपने जिले में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। उन्होंने इस एमओयू को प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक मील का पत्थर बताते हुए कहा कि सरकार लगातार जन-स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रही है। एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक डॉ. अशोक जिंदल ने भरोसा दिलाया कि एम्स, बिलासपुर अस्पताल के चिकित्सकों, नर्सों और स्टाफ को क्लीनिकल ट्रेनिंग, संकाय आदान-प्रदान, सहयोगी शोध, टेलीमेडिसिन सेवाओं और बहु-केंद्रीय अध्ययनों में हर संभव मदद देगा। इस अवसर पर एम्स रायपुर के अधिष्ठाता रिसर्च डॉ. अभिरुचि गल्होत्रा, सह-अधिष्ठाता रिसर्च डॉ. एकता खंडेलवाल, अतिरिक्त प्राध्यापक डॉ. राकेश गुप्ता तथा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बिलासपुर से प्रो. डॉ. अर्चना सिंह और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अभिषेक कुमार उपस्थित रहे।

भाजपा की अहम बैठक 31 को होगा पदाधिकारियों को मिलेगा मार्गदर्शन...

रायपुर/ संवाददाता

रायपुर स्थित कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में 31 अगस्त को भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश स्तरीय एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में संगठन के नए पदाधिकारियों को पार्टी की कार्यप्रणाली, संगठनात्मक दायित्व और आगामी रणनीतियों को लेकर विस्तार से मार्गदर्शन दिया जाएगा। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश और प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। इन दोनों वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ पार्टी के अन्य प्रदेश स्तरीय वरिष्ठ नेता भी नए पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देंगे। बैठक में प्रदेशभर के 476 मंडलों और 36 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्षों के साथ ही प्रदेश कार्यकारिणी के सभी सदस्य, मोर्चा अध्यक्ष और प्रकोष्ठ संयोजकों को आमंत्रित किया गया है। यह कार्यक्रम प्रदेश संगठन की नई कार्यकारिणी के गठन के बाद पहली बड़ी बैठक होगी। संभावना है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय विदेश दौरे पर रवाना होने से पहले बैठक में हिस्सा ले सकते हैं। उनके साथ डिप्टी सीएम अरुण साव और विजय शर्मा तथा प्रदेश सरकार के कई मंत्री भी बैठक में शामिल रहेंगे। पार्टी के राष्ट्रीय संगठन के निर्देशों के अनुसार प्रदेश भाजपा ने पहले सदस्यता अभियान चलाकर 60 लाख नए सदस्य जोड़े, फिर बूथ स्तर से लेकर मंडल स्तर तक चुनाव कराए। पहले जहां 405 मंडल थे, अब 71 नए मंडलों के साथ यह संख्या 476 हो गई है। इसी तरह संगठनात्मक जिलों की संख्या भी बढ़ाकर 35 से 36 कर दी गई है, जिसमें नया जिला बिलासपुर ग्रामीण शामिल है। दिलचस्प बात यह है कि केवल रायपुर ग्रामीण ही ऐसा जिला है जहां पूर्व जिलाध्यक्ष को ही दोबारा पद सौंपा गया है।

खेल अलंकरण समारोह की तैयारी हुई पूरी..........

- सम्मानित किये जाने वाले खिलाड़ियों की अंतरिम सूची हुई जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खेल अलंकरण समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. खेल विभाग ने इस वर्ष सम्मानित किए जाने वाले खिलाड़ियों की अनंतिम सूची जारी कर दी है. इस सूची में 77 खिलाड़ियों के नाम शामिल किए गए हैं जिन्हें विभिन्न खेल पुरस्कारों से नवाजा जाएगा.बता दें, खिलाड़ियों का यह सम्मान समारोह 3 सितंबर को आयोजित होगा. इससे पहले खेल अलंकरण समारोह की तारीख 29 अगस्त को तय हुई थी, लेकिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विदेश प्रवास के चलते कार्यक्रम की तारीख आगे बढ़ा दी गई है. इस सूची में 77 खिलाड़ियों के नाम शामिल किए गए हैं जिन्हें विभिन्न खेल पुरस्कारों से नवाजा जाएगाखेल संचालक तनुजा सलाम ने खिलाड़ियों की सूची जारी करते हुए बताया कि इस बार खिलाड़ियों को शहीद राजीव पांडे पुरस्कार, शहीद कौशल पांडे पुरस्कार, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार, शहीद पंकज विक्रम सम्मान, शहीद विनोद चौबे सम्मान, मुख्यमंत्री ट्रॉफी और ओलंपिक खेल सम्मान जैसे प्रतिष्ठित अलंकरणों से सम्मानित किया जाएगा.

शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण की आवश्यकता को पूर्ण करता अभिसरण से निर्मित आंगनबाड़ी भवन

ग्राम बासिनझोरी के ग्रामीणों को आंगनबाड़ी के रूप में मिला सुविधाओं की सौगात

- महात्मा गांधी नरेगा योजना से रोजगार और आधारभूत आवश्यकताओं की हो रही पूर्ति

रायपुर/ संवाददाता

ग्रामीण भारत में आंगनबाड़ी गर्भवती एवं शिशुवती माता व बच्चों के देखभाल के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र है। आंगनबाड़ी से ग्रामीण क्षेत्रों में न सिर्फ पोषण के विभिन्न विषयो को संबोधित किया जाता है साथ ही स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा के लिए यह मील का पत्थर भी है। केंद्र एवं छत्तीसगढ़ शासन के इस जन कल्याणकारी व्यवस्था के अंतर्गत पोषण के साथ विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रम जैसे 1 से 5 वर्ष के बच्चों का मिशन इंद्रधनुष के तहत टिकाकारण, आवश्यकतानुसार चिकित्सीय सहायता एवं जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रारंभीक शिक्षा क,ख,ग या फिर 1,2,3 या फिर एबीसीडी से परिचय कराते हुए बच्चों को स्कूल जाने के लिए तैयार किया जाता है। सही मायने में यह बच्चों के लिए प्रथम स्कूल ही है। गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के लिए सभी जरूरी टिकाकरण, दवाईयों के साथ-साथ सम्पूर्ण एवं संतुलित आहार के द्वारा बच्चों के लालन-पालन में अमूल्य सहयोग का केन्द्र के रूप में आंगनबाड़ी की पहचान बनी हुई है। कबीरधाम ज़िले के विकासखण्ड सहसपुर लोहारा के ग्राम बासिनझोरी में आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण किया गया है। भवन की अत्यंत आवश्यकता थी क्योंकि पूर्व में बच्चों को अस्थायी कक्षों में शिक्षा और पोषण की सेवाएं दी जा रही थीं। ग्रामवासियों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमति उर्मिला साहू की मांग पर पंचायत द्वारा यह कार्य प्रस्तावित किया गया। ग्राम बासिनझोरी में पहले आंगनबाड़ी अतिरिक्त कक्ष में संचालित था क्योंकि आंगनबाड़ी भवन जर्जर होने के कारण उपयोगहीन था। आंगनबाड़ी भवन नहीं होने के कारण समय पर बच्चों को स्वास्थय से जुड़ी सभी सुविधाओं का लाभ दिया जाना चुनौती पूर्ण था। इसी तरह महिलाओं के लिए आवश्यक सुविधाएं भी पहुंचाना मुश्किल हुआ करता था। गांव में आंगनबाड़ी भवन के अभाव में बच्चों की शिक्षा,पोषण और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियाँ बाधित हो रही थीं।वर्षा ऋतु के दौरान अस्थायी भवन में पानी भरने की समस्या बनी रहती थी और बच्चों की उपस्थिति प्रभावित होती थी। ग्राम पंचायत बासिनझोरी में आंनगबाड़ी निर्माण कार्य महिला एवं बाल विकास विभाग से 2.00 लाख, जिला खनिज न्यास से 1.69 लाख मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना से 6.00 लाख रुपय एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से 2.00 लाख रुपए अभिसरण के माध्यम से कुल 11.69 लाख की लागत से कार्य स्वीकृत किया गया। निर्माण कार्य दिसंबर 2024 में प्रारंभ होकर जुलाई 2025 में पूर्ण हुआ है। इस कार्य में सामग्री पर 10.36 लाख का व्यय हुआ। निर्माण कार्य में लगभग 504 मानव दिवस का रोजगार ग्रामीणों को मिला जिसके एवज में 1 लाख 21 हजार रुपए का मजदूरी भुगतान ग्रामीणों के खाते में प्राप्त हुआ। ग्रामीणों एवं तकनिकी सहायक के देख-रेख में गुणवत्ता के साथ निर्माण पूरा हुआ। आंगनबाड़ी बन जाने से ग्रामीणों को बहुत सुविधाएं मिल रही है। छोटे बच्चों को पौष्टिक आहार के साथ प्रारंभिक शिक्षा सुलभ हो रहा है तथा खेल कूद के लिए अच्छा स्थान और वातावरण मिल गया गया है। ग्राम पंचायत बासिनझोरी में नवीन आंगनबाड़ी भवन निर्माण हो जाने से बच्चों की उपस्थिति में वृद्धि हुआ है। भवन बंनाने से पहले 22 बच्चे दर्ज थे जो अब बढ़ कर 27 हो गए है।आंगनबाड़ी भवन में 7 गर्भवती महिला एवं 4 शिशुवती माताओ को भी शासकीय योजनाओं का लाभ मिल रहा है। प्रत्येक माह के दूसरे मंगलवार को टीकाकरण की सुविधा केंद्र में उपलब्ध है जिसके लिए अब बहार नही जाना पड़ता है। इसी तरह से सोमवार से शनिवार तक बच्चों को नाश्ते में रेडी टू ईट पोहा हलवा जैसे अलग-अलग स्वादिष्ट व्यंजन दिए जाते हैं इसके साथ ही दाल चावल रोटी और सब्जी भी बच्चों को खाने में गरमा गरम परोसा जाता है। बच्चों और महिलाओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सुंदर भवन मिलने से शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण की सुविधाएं अब एक ही छत के नीचे मिल रही हैं। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि अभिसरण से आवश्यकता अनुसार आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण विभिन्न विभाग को मिलकर कर रहे हैं। जिससे कि ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं का विस्तार हो सके एवं शासकीय योजनाओं का लाभ समय पर सभी को सुलभ हो।आंगनबाड़ी भवन जैसे महत्वपूर्ण कार्य ग्रामीण बच्चों एवं महिलाओं के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है।

संपादकीय

पैसों से जुड़े ऑनलाइन खेलों की काली दुनिया

इसमें कोई दोराय नहीं कि इंटरनेट के विस्तार के मौजूदा दौर में शायद ही कोई क्षेत्र बचा है, जिसमें इसकी भूमिका महत्त्वपूर्ण नहीं हो गई हो। मगर जितने व्यापक स्तर पर इसके सकारात्मक उपयोग का दायरा बढ़ा है, उसी के समांतर कुछ ऐसे क्षेत्र भी अपने पांव फैला रहे हैं, जो न केवल सामाजिक ढांचे को और आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि बड़ी संख्या में लोग मनोवैज्ञानिक रूप से भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। 'ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग' यानी धन आधारित ऑनलाइन खेल एक ऐसा ही चलन है, जिसने अब मनोरंजन की सीमा को पार करते हुए पैसे कमाने के लालच से उपजी लत और आर्थिक नुकसान का जटिल स्वरूप ग्रहण कर लिया है। भारी तादाद में लोग इसके जाल में फंस रहे हैं और अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं। इसे लेकर पिछले काफी समय से चिंता जताई जा रही है, लेकिन सरकार ने इस पर लगाम लगाने या इसे विनियमित करने के बजाय इसके दूरगामी असर की अनदेखी की। इसके नतीजे अब खुल कर सबके सामने आ रहे हैं और चिंता की वजह बन रहे हैं। इसकी वजह से होने वाले नुकसान का दायरा व्यापक होते जाने के बाद अब जाकर खुद सरकार ने भी माना है कि 'ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग' समाज के लिए एक बड़ी समस्या बन चुकी है और इस पर लगाम लगाना वक्त की जरूरत है। अनुमान यह लगाया गया है कि धन-आधारित ऑनलाइन खेलों के चक्कर में करीब पैंतालीस करोड़ लोग हर वर्ष लगभग बीस हजार करोड़ रुपए गंवा देते हैं। इसकी लत की वजह से अब तक सैकड़ों परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद हो चुके हैं। त्रासद पक्ष यह भी है कि इस लत की वजह से ऑनलाइन खेलों के जरिए लोग पैसे कमाने की भूख में लगातार हारते जाते हैं और बाद में कई लोग आत्महत्या और हिंसा जैसा गंभीर कदम भी उठा लेते हैं। इसके नुकसानों को लेकर चिंता पहले भी जताई जाती रही है, अब देर से सही, लेकिन सरकार ने गेमिंग उद्योग के एक हिस्से से मिलने वाले राजस्व के सवाल को फिलहाल पीछे छोड़ते हुए समाज कल्याण को प्राथमिकता देना तय किया है। इस क्रम में ऑनलाइन गेम को विनियमित करने एवं शैक्षिक और सामाजिक आनलाइन खेलों को बढ़ावा देने वाले एक विधेयक को लोकसभा में पारित कर दिया गया है। सही है कि सरकार आज धन आधारित ऑनलाइन गेमिंग को एक बड़ी बुराई बताते हुए इससे बचने की जरूरत बता रही है, मगर अफसोस की बात यह है कि जब ऐसे कथित खेल लोगों के बीच अपनी जगह बना रहे थे, उन्हें समाज से काट रहे थे और इसके बहुस्तरीय नकारात्मक नतीजे सामने आने लगे थे, तब इसके प्रति जताई जाने वाली फिक्र की अनदेखी की गई। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि खुद सरकार ने 2023 में पैसे से जुड़े ऑनलाइन गेमिंग पर अट्ठाईस फीसद जीएसटी भी लगाया था। जबकि यह छिपा नहीं है कि ऑनलाइन गेमों की लत की वजह से कितने युवाओं के सोचने-समझने की प्रक्रिया में तेजी से बदलाव आया है। कई ऐसी खबरें भी आ चुकी हैं, जिनमें लगातार ऑनलाइन गेम खेलते रहने से मना करने पर कोई किशोर हिंसक हो गया और उसने या तो आत्महत्या कर ली या फिर किसी की जान ले ली।इसलिए इसके मनोवैज्ञानिक पहलुओं को भी समझने की जरूरत है। धन-आधारित ऑनलाइन गेम को वैसे भी व्यवहार में जुए से अलग रूप में देखना मुश्किल है। मगर इस तक आसानी से पहुंच की वजह से इसका स्वरूप ज्यादा जटिल हो जाता है।

ऐसा इसलिए कि मित्र बनकर अमेरिका ने भारत से जो दगाबाजी पाकिस्तान प्रेरित पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की है, उससे उसके बारे में यह अवधारणा मजबूत हुई है कि ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे अमेरिका ने ठगा नहीं। जबकि रूस पर यह बात लागू नहीं होती। वह भारत-अमेरिका के प्रगाढ़ होते सम्बन्धों के बावजूद विचलित नहीं हुआ और भारत के रणनीतिक सुरक्षा जरूरतों की पूर्ति करता रहा। यही वजह है कि रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद जब उसके ऊपर पश्चिमी देशों द्वारा विभिन्न तरह के प्रतिबंध लगाए तो भारत ने उसे मानने से इनकार कर दिया और अपनी पुरानी भरोसेमंद वैश्विक मित्रता की लाज रखते हुए उससे तेल व हथियार खरीदकर उसकी पूरी मदद की।

भारत-अमेरिका सम्बन्धों में आए दरार के कूटनीति मायने

(कमलेश पांडे)

ऐसा इसलिए कि मित्र बनकर अमेरिका ने भारत से जो दगाबाजी पाकिस्तान प्रेरित पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की है, उससे उसके बारे में यह अवधारणा मजबूत हुई है कि ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे अमेरिका ने ठगा नहीं।

भारत-अमेरिका संबंधों में गहराते दरार से दोनों देशों के बीच व्यापार, रक्षा और रणनीतिक सहयोग पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त, आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन और महामारी जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में सहयोग भी प्रभावित हो सकता है। चूंकि भारत और अमेरिका के बीच संबंध 1947 में हासिल स्वतंत्रता के बाद से ही महत्वपूर्ण रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसमें जो उतार-चढ़ाव आए हैं, उसपर पूरी दुनिया की स्वार्थपरक निगाहें लगी हुई हैं। ऐसा इसलिए कि इससे अंतरराष्ट्रीय ध्रुवीकरण की पूर्ववर्ती और मौजूदा दोनों कोशिशों को भी गहरा धक्का लग सकता है।

चूंकि भारत एक गुटनिरपेक्ष देश है, ऐतिहासिक पंचशील के सिद्धांतों को मानता आया है, इसलिए वह अमेरिका और रूस (यूएसएसआर) के खेमेबाजी से दूर रहने की कोशिश करता है। अमेरिका-चीन के वैश्विक रस्साकशी से खुद को दूर रखना चाहता है। लेकिन पिछले 7-8 दशक में भारत के पड़ोसी देशों- पाकिस्तान व चीन ने ऐसा सीमाई उधम मचाया कि भारत को कभी रूस से तो कभी अमेरिका से मदद लेनी पड़ी। जब भी अमेरिका ने पाकिस्तान का खुला समर्थन किया है, तो रूस (सोवियत संघ) ने भारत के लिए मित्र से भी बढ़कर संरक्षक भूमिका निभाई है- तन-मन-धन से और यूएसए में वीटो करके भी।

वहीं, जब कभी चीन से भारत का तनाव पैदा हुआ तो रूस ने पीछे से भारत की नैतिक मदद की, जबकि अमेरिका खुलकर भारत के साथ खड़ा हुआ। यही वजह है कि कांग्रेस समर्थक रूस को संतुलित करने के लिए पूर्व भाजपाई प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने दगाबाज अमेरिका से जो रणनीतिक मित्रतापूर्ण सम्बन्ध स्थापित किये थे, वो दूसरे भाजपाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में ही दम तोड़ते नजर आ रहे हैं।

ऐसा इसलिए कि मित्र बनकर अमेरिका ने भारत से जो दगाबाजी पाकिस्तान प्रेरित पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की है, उससे उसके बारे में यह अवधारणा मजबूत हुई है कि ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे अमेरिका ने ठगा नहीं। जबकि रूस पर यह बात लागू नहीं होती। वह भारत-अमेरिका के प्रगाढ़ होते सम्बन्धों के बावजूद विचलित नहीं हुआ और भारत के रणनीतिक सुरक्षा जरूरतों की पूर्ति करता रहा। यही वजह है कि रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद जब उसके ऊपर पश्चिमी देशों द्वारा विभिन्न तरह के प्रतिबंध लगाए तो भारत ने उसे मानने से इनकार कर दिया और अपनी पुरानी भरोसेमंद वैश्विक मित्रता की लाज रखते हुए उससे तेल व हथियार खरीदकर उसकी पूरी मदद की।

शायद यही बात अमेरिका को अखड़ गई, जबकि उसे धैर्य रखना चाहिए। क्योंकि यूरोप का मुकाबला रूस से है, अमेरिका का नहीं ! शीत युद्ध के बाद तो अमेरिका का मुकाबला चीन से, जिससे निबटने के लिए अमेरिका ने भारत से सांठगांठ शुरू की थी। चूंकि मौजूदा समय में रूस-चीन में गहरी यारी है और भारत, रूस-चीन के खिलाफ अमेरिका का मोहरा बनने को तैयार नहीं है, इसलिए सनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंफ ने भारत को ही सबक सिखाने की ठान ली। यह अमेरिकी प्रशासन की अव्वल दर्जे की मूर्खता है और उसे अपनी भूल का एहसास तब होगा, जब तेजी से उभरता हुआ भारत अपने रुपये से डॉलर पर चोट करेगा।

अभी अमेरिका इस गलतफहमी में है कि वह जो अमेरिकी भृकुटी तनती जा रही है, उसके भविष्य गत मायने को समझने की जरूरत है।

बताते चलें कि भारत को अमेरिका अनायास टारगेट नहीं कर रहा, बल्कि वह समझ चुका है कि भारत में वो दम है जो ग्लोबल साउथ यानी अंतरराष्ट्रीय दलित-पिछड़े देशों को अपने पाले में करके अमेरिका को घुटनों पर ला सकता है। इसलिए फिलवक्त अमेरिकी रणनीति है कि रूस और चीन से मधुर सम्बन्धों को विकसित करते हुए भारत की आर्थिक व सैन्य कमर तोड़ दी जाए।

इसलिए वह अंदरखाने में रूस-चीन को यही

पाकिस्तान, बंगलादेश, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव आदि को उकसा कर भारत को कमजोर करेगा। लेकिन उसे यह याद रहना चाहिए कि जब भारत उसके साथ था, अफगानिस्तान में करोड़ों डॉलर झोंक चुका था, बावजूद इसके रूस-चीन-ईरान के दिमाग के समक्ष उसे पिटना पड़ा और अपने कीमती हथियार व उपकरण अफगानिस्तान में ही छोड़कर उसे भागना पड़ा। अभी ज्यादा दिन नहीं हुए हैं, जब इजरायल-ईरान युद्ध के दौरान जब अमेरिका इजरायल के पक्ष में खड़ा हुआ तो अरब देश कतर के अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ईरान ने अपनी मिसाइल से हमला बोल दिया।

वहीं, इजरायल को कितना नुकसान पहुंचाया, किसी से छिपी हुई बात नहीं है। तब पाकिस्तान भी उसके साथ था, लेकिन इजरायल से मित्रता के बावजूद भारतीय तटस्थता पर कभी रूस व ईरान ने एतराज नहीं जताया। वहीं, ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध की कुछ बातों का भारत ने अनुपालन किया। इसलिए रूस से तेल खरीदने के सवाल पर समझा रहा होगा कि भारत को हथियार मार्केट में उभरने ही नहीं दिया जाए। भारत के जापान, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों से बने रणनीतिक सम्बन्ध तभी हतोत्साहित होंगे, जब अमेरिका भारत से दूर होगा। चूंकि भारत ही रूस-चीन वैश्विक ऊर्जा का अर्थिंग बना हुआ है, इसलिए भारत के घुटने पर आते ही रूस-चीन भी घुटने पर आ जाएंगे।

ऐसे में भले ही अभी यह कहा जा रहा है कि विशेष रूप से, व्यापार और ऊर्जा विवादों ने संबंधों को प्रभावित किया है, खासकर डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के दौरान। लेकिन इसके पीछे की सुनियोजित अमेरिकी प्रशासन की नीतियों को भी मैं ऊपर डिकोड कर चुका हूं, जिसे हमें समझना होगा, क्योंकि राजनीतिक लोकतंत्र तो उसका मुखौटा मात्र होता है। अंततः दोनों मिलकर अपने देश की भलाई के लिए ही कार्य करते हैं।

रही बात अमेरिका की तो वह कई साल आगे की रणनीति भी वर्तमान में ही शोध पूर्वक तैयार कर लेता है और फिर यूरोप के बलपर उसे पूरी दुनिया पर थोपता है। इसलिए समसामयिक वैश्विक परिवेश में जब अमेरिका को यूरोप में रूस (पूर्व सोवियत संघ का अगुवा राष्ट्र) से, एशिया में चीन से, दक्षिण अमेरिका में ब्राजील से, और इन सबके अलावा भारत और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों से चुनौती मिलनी जारी है तो उसने अपने डॉलर का दुरूपयोग करके वहां अशांति पैदा करवाने की कोशिशें तेज कर दी है। इसलिए उसने पुराने हरामखोर पार्टनर पाकिस्तान को भी पटा लिया है। इससे उसके हथियार व गोला-बारूद निर्माता कम्पनियों को आशातीत मुनाफा होगा। इसलिए वह इस प्रकार की हरामखोरी जारी रखता है। वैश्विक कूटनीति में अमेरिकी मित्रता को आस्तीन में सांप पालने जैसा समझा जाता है।

जहां तक अमेरिका-भारत के दरकते रणनीतिक सम्बन्धों के नकारात्मक प्रभाव की बात है तो यह कहना गलत नहीं होगा कि यदि आपसी संबंध बिगड़ते हैं, तो व्यापार समझौते और निवेश प्रभावित हो सकते हैं, जिससे दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। चूंकि भारत और अमेरिका के बीच महत्वपूर्ण रक्षा सहयोग भी चल रहा है, खासकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए, तो संबंधों में आई हालिया दरार से यह सहयोग भी कमजोर हो सकता है।

वहीं, जहां तक आपसी रणनीतिक सहयोग की बात है तो दोनों देश कई वैश्विक मुद्दों पर एक साथ काम करते हैं, जैसे आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन और महामारी आदि। लेकिन पारस्परिक संबंधों में आई खटास से इन मुद्दों पर भी द्विपक्षीय सहयोग बाधित हो सकता है। खास बात यह है कि दोनों देशों के मधुर सम्बन्धों के बीच भारतीय-अमेरिकी समुदाय की भी अमेरिका में एक महत्वपूर्ण समुदाय है, और यदि द्विपक्षीय संबंधों में दरार आई तो इससे इस महत्वपूर्ण समुदाय के लिए भी चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि दोनों देशों के बीच मजबूत संबंध बनाने के कई कारण हैं- पहला यह कि दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक विकास और सुरक्षा सहयोग में साझा हित रखते हैं। इसके अलावा, भारतीय-अमेरिकी समुदाय दोनों देशों के बीच एक सम्बन्ध सेतु का काम करता है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि भारत-अमेरिका संबंधों में दरार से दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों को बनाए रखने के कई कारण हैं, इसलिए यह देखना और इंतजार करना श्रेयस्कर होगा कि आने वाले वर्षों में आपसी संबंध कैसे विकसित होते हैं। वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ईश्वर का कौन सा धर्म

(अमृत साधना)

हर धर्म कहता है, हमारा एक ईश्वर है। वह ईश्वर उस धर्म की मान्यताओं के अनुसार वेशभूषा धारण करके पेश किया जाता है। सबके अपने-अपने ईश्वर होते हैं। किसी एक धर्म का ईश्वर दूसरे धर्म को स्वीकार नहीं होता। लेकिन कभी किसी ने सोचा है कि ईश्वर का कौन सा धर्म होता है? उन्हें क्या पसंद है? यह सवाल इसलिए उठा, क्योंकि आजकल धर्म या ईश्वर को लेकर जो बवाल मचता है, वह व्यर्थ है। जरा बच्चों के मासूम मन में झांककर देखिए, वहां कोई दुविधा या द्वेष है ही नहीं।

मुझे याद आती है एक घटना, जो मेरे साथ बचपन में घटी। तब मैं एक ईसाई स्कूल में पांचवीं या छठी कक्षा में पढ़ती थी, नाम था सेंट उरसुला गर्ल्स हाईस्कूल। ईसाई स्कूल था, तो स्वभावतः हर रोज सुबह अंग्रेजी में ईसाई धर्म की प्रार्थना होती थी। हर प्रार्थना आकाश में रहने वाले पिता से की जाती। उसमें, जीसस और मेरी का नाम जरूर आता, और अंत में 'आमीन' कहना होता। स्कूल का विशाल प्रार्थना घर, सबके साथ मिलकर गंभीर आवाज में कही गई प्रार्थना मन में ताजगी भर देती थी।

मुझे याद आती है एक घटना, जो मेरे साथ बचपन में घटी। तब मैं एक ईसाई स्कूल में पांचवीं या छठी कक्षा में पढ़ती थी, नाम था सेंट उरसुला गर्ल्स हाईस्कूल। ईसाई स्कूल था, तो स्वभावतः हर रोज सुबह अंग्रेजी में ईसाई धर्म की प्रार्थना होती थी। हर प्रार्थना आकाश में रहने वाले पिता से की जाती। उसमें, जीसस और मेरी का नाम जरूर आता, और अंत में 'आमीन' कहना होता। स्कूल का विशाल प्रार्थना घर, सबके साथ मिलकर गंभीर आवाज में कही गई प्रार्थना मन में ताजगी भर देती थी।

रोज-रोज शुभं करोति कल्याणम् जैसे श्लोक कह-कहकर ऊब गए मन को यह नया तरीका अच्छा लगा। मैंने एक छोटी सी जीसस की मूर्ति लाकर हमारे उस पूजा गृह में रख दी, जहां किस्म-किस्म के भगवानों की मूर्तियां थीं। राम-कृष्ण जैसे भगवान हों या फिर गणेश और शिव जैसे पौराणिक भगवान, उसके बाद कोई नए संत या महात्मा हों, उनकी तस्वीरें। इन भगवानों व संतों के मेले के बीच मैंने जीसस क्राइस्ट की मूर्ति रख दी। मुझे लगा, एक और भगवान जुड़ गए, तो घर के लोग खुश हो जाएंगे। फिर रोज शाम को तल्लीन होकर मैं ईसाई प्रार्थना करने लगी, पूरी अंग्रेजी में। 'आकाश के पिता' से लेकर 'आमीन' तक। उसके बाद सूली निशानी। बड़ा पवित्र सा लगता था।

एक दिन मेरी मां ने सुना कि मैं अंग्रेजी में भगवान से बातें कर रही हूं। उन्हें शक हुआ, तो वह पास आईं। जब उन्होंने 'आमीन' शब्द सुना, तो उनके हाथ से पानी का ग्लास गिर पड़ा। फिर उन्हें शिवजी के साथ जीसस नजर आए ! वह तो रोने लगीं और मैं घबराकर घर से बाहर भाग गई। घर लौटी, तो हमारे बैठकखाने में धर्म संसद लगी हुई थी। मामला संगीन था। एक तो बेटी भ्रष्ट हो गई थी, फिर सारे हिंदू भगवान अपवित्र हो गए दूसरे धर्म के देवता के पास बैठने से।

भगवानों को तो गंगाजल से धोकर, विशेष पूजा-आराधना से शुद्ध किया जा सकता है, बेटी का क्या करें? सबसे पहले मुझे उस स्कूल से हटाकर एक हिंदू कन्या विद्यालय में दाखिल किया गया और जीसस कहां गायब हो गए, पता नहीं चला। मुझे आज तक समझ में नहीं आया कि मैंने क्या गलत किया था?

विधेयक पर हंगामा क्यों, जब मुद्दा है राजनीतिक शुचिता का

आजादी के बाद से कतितय राजनीतिक विसंगतियों के चलते राजनीति में अपराधी तत्वों का वर्चस्व बना रहा है। जनता यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वह अपना प्रतिनिधि चुनती है, वे अपराधमुक्त, निष्कलंक, ईमानदार और चरित्रवान हों। परन्तु स्थिति इसके विपरीत दिखती रही है। एक ओर जनप्रतिनिधि अपराधों में संलिप्त पाए जाते हैं, दूसरी ओर वे पद से इस्तीफा देने या सार्वजनिक जीवन से दूर रहने के बजाय सत्ता की कुर्सी से चिपके रहते हैं। यही प्रवृत्ति जनता के विश्वास को तोड़ती है और राजनीति को संदेह के घेरे में डाल देती है। यह प्रश्न अब और गंभीर हो उठा है कि क्या ऐसे व्यक्तियों को शासन और सत्ता के उच्च पदों पर बने रहने का अधिकार होना चाहिए? क्या लोकतंत्र का आधार अपराध और भ्रष्टाचार पर खड़ा किया जा सकता है? निश्चित ही नहीं।

(ललित गर्ग)

आजादी के बाद से कतितय राजनीतिक विसंगतियों के चलते राजनीति में अपराधी तत्वों का वर्चस्व बना रहा है। जनता यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वह अपना प्रतिनिधि चुनती है, वे अपराधमुक्त, निष्कलंक, ईमानदार और चरित्रवान हों।

गंभीर आपराधिक आरोपों में घिरे नेता चाहे वे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं मंत्री ही क्यों न हो, उनकी गिरफ्तारी या हिरासत के बाद एक निश्चित अवधि बीत जाने पर हटाने की व्यवस्था वाले विधेयक को जब केन्द्र सरकार ने लोकसभा में प्रस्तुत किया तो जरूरत से ज्यादा हंगामा एवं विरोध समझ में नहीं आया। इस तरह ईमानदार, अपराधमुक्त राजनीति एवं चरित्रसम्पन्न-पवित्र राजनेताओं की पैरवी वाले विधेयक पर हंगामा लोकतंत्र की गरिमा को आहत करता है। गृहमंत्री अमित शाह ने सूझबूझ का परिचय देते हुए अपनी ओर से इन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वीकार भी कर लिया, अब तो विपक्ष को विरोध एवं हंगामें को विराम देते हुए इस पर विचार करना चाहिए कि आखिर ऐसी ईमानदार, समानतापूर्ण एवं आदर्श व्यवस्था क्यों नहीं बननी चाहिए, जिससे उच्च पदों पर बैठे नेताओं के गंभीर अपराधों में गिरफ्तारी अथवा हिरासत में लिये जाने पर उनके लिये पद छोड़ना आवश्यक हो जाये? आखिर इस आदर्श व्यवस्था में समस्या क्या है? क्यों विपक्ष नैतिक एवं आदर्श राजनीतिक व्यवस्था में अवरोधक बनकर अपने नैतिक चरित्र पर प्रश्न खड़े कर रहा है? क्या इस विधेयक का असर सत्तापक्ष के नेताओं पर नहीं होगा?

आजादी के बाद से कतितय राजनीतिक विसंगतियों के चलते राजनीति में अपराधी तत्वों का वर्चस्व बना रहा है। जनता यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वह अपना प्रतिनिधि चुनती है, वे अपराधमुक्त, निष्कलंक, ईमानदार और चरित्रवान हों। परन्तु स्थिति इसके विपरीत दिखती रही है। एक ओर जनप्रतिनिधि अपराधों में संलिप्त पाए जाते हैं, दूसरी ओर वे पद से इस्तीफा देने या सार्वजनिक जीवन से दूर रहने के बजाय सत्ता की कुर्सी से चिपके रहते हैं। यही प्रवृत्ति जनता के विश्वास को तोड़ती है और राजनीति को संदेह के घेरे में डाल देती है। यह प्रश्न अब और गंभीर हो उठा है कि क्या ऐसे व्यक्तियों को शासन और सत्ता के उच्च पदों पर बने रहने का अधिकार होना चाहिए? क्या लोकतंत्र का आधार अपराध और भ्रष्टाचार पर खड़ा किया जा सकता है? निश्चित ही नहीं। जब तक राजनीति से अपराधी तत्वों का निष्कासन नहीं होगा, तब तक न तो सुशासन स्थापित हो सकता है न ही नया भारत, विकसित भारत एवं आदर्श भारत बन सकता है और न ही राजनीति के प्रति जनता का भरोसा लौट सकता है।

आज समय आ गया है कि नए कानून बनाकर राजनीति को अपराधमुक्त बनाने की दिशा में ठोस एवं कारगर कदम उठाए जाएं। यह केवल चुनाव सुधार का मामला नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने का प्रश्न है। ऐसे प्रावधान होने चाहिए कि जिस क्षण कोई जनप्रतिनिधि गंभीर अपराध में आरोपित होकर जेल भेजा जाए या आरोप सिद्ध होने तक हिरासत में रहे, वह स्वचालित रूप से अपने पद से मुक्त हो जाए। इस्तीफे की प्रतीक्षा या राजनीतिक दबाव की आवश्यकता ही न रहे। अनेक नेताओं ने ऐसा आदर्श प्रस्तुत भी किया, लेकिन आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा आदि अनेक पार्टियों के नेताओं ने जेल से सरकारें चलाने एवं मंत्री पद पर बने रहने के काले अध्याय रचे हैं, इसी के चलते इस नये विधेयक की अपेक्षा सामने आई।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में स्वच्छ राजनीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। जब सत्ता और शासन के केंद्र में अपराधी मानसिकता के लोग बैठते हैं, तो वे शासन को अपने स्वार्थ और अपराधों की ढाल बना लेते हैं। इससे न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था खोखली होती है, बल्कि आम जनता का जीवन भी संकट में पड़ता है। भ्रष्टाचार, धनबल, बाहुबल, भाई-भतीजावाद, हिंसा और अनैतिकता का वातावरण उसी समय पनपता है, जब राजनीति अपराधियों के कब्जे में जाती है। ईमानदार और स्वच्छ छवि वाले नेताओं की मांग आज पहले से अधिक बढ़ गई है। जनता ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो अपने आचरण से उदाहरण प्रस्तुत करे। राजनीति यदि सेवा और त्याग का माध्यम बनेगी तो ही समाज का कल्याण होगा। जिन नेताओं पर जरा भी संदेह का धुंधलका हो, उन्हें स्वयं स्वेच्छा से पद छोड़ देना चाहिए। यही परंपरा राजनीति को उच्चता और गरिमा प्रदान कर सकती है।

अपराधमुक्त राजनीति केवल नैतिक अपेक्षा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूरी है। जब तक राजनीति में शुचिता और नैतिकता का स्थान नहीं बनेगा, तब तक सुशासन और ईमानदार प्रशासन की कल्पना अधूरी ही रहेगी। नए कानूनों का निर्माण कर अपराधियों के लिए राजनीति के दरवाजे बंद करना समय की सबसे बड़ी मांग है। यह कदम न केवल लोकतंत्र को सुदृढ़ करेगा, बल्कि जनता के भीतर यह विश्वास भी जगाएगा कि राजनीति वास्तव में लोककल्याण के लिए है, न कि अपराधियों की शरणस्थली। यही अपराधमुक्त राजनीति का दर्शन है, जहां सत्ता अपराधियों का आश्रय-स्थल न होकर समाज की नैतिक ऊर्जा का केंद्र बने। यही उसकी सबसे बड़ी उपयोगिता है कि वह लोकतंत्र को उसकी वास्तविक आत्मा लौटाए और राजनीति को सेवा, शुचिता और ईमानदारी का प्रतीक बनाए।

भारतीय लोकतंत्र में पिछले कुछ वर्षों से राजनीति और अपराध के गठजोड़ को लेकर गहरी चिंता लगातार उठती रही है। जनता बार-बार यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वे संसद और विधानसभा भेजते हैं, वे न केवल ईमानदार और पारदर्शी हों बल्कि उनके चरित्र और आचरण पर कोई दाग न हो। किंतु बार-बार यही देखने को मिलता है कि गंभीर आपराधिक मामलों में फंसे नेता भी उच्च पदों पर बने रहते हैं और शासन-सत्ता का उपयोग अपने बचाव के लिए करते हैं। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार द्वारा संसद में पेश किया गया नया विधेयक (संविधान का 130वां संशोधन) एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है, केन्द्र सरकार इन विधेयकों को भ्रष्टाचार एवं अपराध विरोध बता रही है, जबकि विपक्ष इससे सहमत नहीं। उनकी असहमति अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रही है कि आखिर विपक्ष दागियों की वकालत करते हुए वह स्वयं भी दागी क्यों बन रही है? आशंका जताई जा रही है कि यदि यह संशोधन पारित हो गया तो विपक्ष-शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्री अस्थिर हो सकते हैं, उनके पद संकट में पड़ सकते हैं। दरअसल यह विरोध केवल विधेयक का नहीं बल्कि अपनी राजनीतिक सुविधा, अपनी सत्ता बचाने और सुरक्षा का है। प्रश्न यह उठता है कि क्या विपक्ष वास्तव में अपराधमुक्त राजनीति नहीं चाहता? क्या केवल सत्ता में बने रहने के लिए राजनीति को अपराधियों का अड्डा बनाए रखना आवश्यक है?

विपक्ष का तर्क है कि सरकार इस विधेयक का दुरुपयोग कर सकती है, और केवल आरोप लगाकर भी नेताओं को पद से हटाया जा सकता है। लेकिन सच्चाई यह है कि लोकतंत्र में जब तक कानून कठोर और स्पष्ट नहीं होगा, तब तक राजनीति से अपराध का सफाया संभव नहीं है। यदि किसी निर्दोष व्यक्ति पर आरोप गलत सिद्ध होता है तो उसके लिए पुनः प्रतिष्ठा अर्जित करने के रास्ते खुले रहेंगे, परंतु गंभीर आरोपियों को शासन की कुर्सी पर बने रहने देना लोकतंत्र के साथ अन्याय है, उसकी मूल आत्मा को ध्वस्त करना है। ऐसा अरविन्द केजरीवाल ने पहली बार किया और जेल से ही सरकार चलाने का दम भरते रहे।

आज देश 'विकसित भारत' के संकल्प की ओर बढ़ रहा है। विकसित भारत का सपना केवल तकनीकी प्रगति या आर्थिक मजबूती से पूरा नहीं होगा, बल्कि इसके लिए स्वच्छ, ईमानदार और पारदर्शी राजनीति आवश्यक है। राजनीति में अपराधियों की घुसपैठ न केवल लोकतंत्र की नींव को कमजोर करती है बल्कि जनता के विश्वास को भी तोड़ती है। अपराधमुक्त राजनीति न केवल आदर्श है बल्कि सुशासन और विकास की बुनियादी शर्त है। इसलिए आवश्यक है कि ऐसे विधेयक का स्वागत किया जाए, क्योंकि यह राजनीति को शुचिता, नैतिकता और जनहित के मार्ग पर ले जाने का प्रयास है। राजनीति में एक नये सूरज का उदय है। विपक्ष यदि इसका विरोध करता है तो यह सवाल स्वतः उठता है कि क्यों विपक्ष अपराधमुक्त राजनीति का विरोध करके अपराधियों का संरक्षण कर रहा है? क्या उसे अपने ही दागी नेताओं के लिए भय है? लोकतंत्र को बचाने और मजबूत करने के लिए यह विधेयक समय की मांग है। नया भारत तभी विकसित भारत बनेगा जब उसकी राजनीति अपराधियों से मुक्ति होगी।

संक्षिप्त समाचार

मॉस्को शॉपिंग सेंटर में हुए धमाके में एक की मौत, तीन घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस की महानगरीय राजधानी मॉस्को की एक मशहूर वाणिज्यिक इमारत में रविवार को हुए धमाके में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। रूसी आपातकालीन सेवाओं के मुताबिक,यह धमाका मध्य मॉस्को स्थित लुब्यंका स्क्वायर के सेंट्रल चिल्ड्रन स्टोर शॉपिंग मॉल की तीसरी मंजिल पर हुआ। सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती ने बताया कि धमाका एक गैस सिलिंडर में विस्फोट से हुआ था। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, दो घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उत्तर कोरिया ने दो नई मिसाइलों का किया परीक्षण

प्योंगयांग, एजेंसी। दक्षिण कोरिया व अमेरिका के वार्षिक सैन्य अभ्यास के बीच उत्तर कोरिया ने हवाई हमलों को रोकने में सक्षम दो नई मिसाइलों का परीक्षण किया। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन इस परीक्षण के दौरान मौजूद रहे। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि शनिवार को हुए परीक्षण ने दर्शाया कि ये मिसाइलें ड्रोन व क्रूज मिसाइल के हमलों से निपटने में सक्षम हैं। यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है, जब दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे म्यूंग शिखर सम्मेलन के लिए टोक्यो की यात्रा पर हैं।

मंडेला के देश में मना भारत दिवस वैश्विक आतंकवाद से निपटने पर जोर

केप टाउन, एजेंसी। रंगभेद विरोधी आंदोलन के नेता व दक्षिण अफ्रीकी लोकतांत्रिक सरकार के पहले राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला की धरती से आतंकवाद के खिलाफ आवाज बुलंद हुई है। जोहानिसबर्ग के इंडिया क्लब में आयोजित 16वें वार्षिक भारत दिवस समारोह में वैश्विक आतंकवाद से निपटने की भारत की प्रतिबद्धता पर जोर रहा। इंडिया क्लब प्रवासी भारतीयों का एक संगठन है। इसकी स्थापना 16 वर्ष पहले की गई थी। भारत दिवस समारोह का आयोजन शनिवार को हुआ। इसमें हजारों लोग शामिल हुए। यह आयोजन अगस्त में भारत के स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में किया जाता है। इसमें भारतीय प्रवासियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। द. अफ्रीका में मौजूद भारतीय कंपनियों ने विभिन्न स्टॉल पर अपने उत्पाद भी प्रदर्शित किए। द.अफ्रीका के वाणिज्यिक केंद्र सैंडटन के मध्य में स्थित मैदान के प्रवेश द्वार पर वैश्विक आतंकवाद पर एक प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें दिखाया गया कि किस प्रकार न केवल भारत, बल्कि पूरा विश्व दशकों से आतंकी हमलों की चपेट में है। प्रदर्शनी में भारत सहित दुनिया भर के विभिन्न स्थानों पर हुए हमलों की टाइमलाइन शामिल थी।

ब्रिटेन में अपराधियों को यात्रा व पब में जाने की नहीं होगी इजाजत

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन सरकार की ओर से रविवार को घोषित नए दंड नियमों के तहत अपराधियों के पब जाने, संगीत समारोहों में शामिल होने व खेल स्पर्धाओं को देखने पर प्रतिबंध रहेगा। नए उपायों के तहत देश के न्यायाधीश अपराधियों की स्वतंत्रता पर अंकुश लगा सकेंगे तथा उन पर ड्राइविंग प्रतिबंध, यात्रा प्रतिबंध व निशिद्ध क्षेत्रों तक सीमित रहने जैसे प्रतिबंध भी लागू कर पाएंगे। ब्रिटेन के कानून मंत्रालय ने कहा कि इन बदलावों से सामुदायिक दंड को कठोर बनाया जाएगा, जिससे दोबारा अपराध करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

वेनेजुएला में 13 राजनीतिक बंदियों की रिहाई, विपक्ष ने बताया एक सकारात्मक कदम

कैरेकस, एजेंसी। वेनेजुएला में विपक्षी नेताओं और सामाजिक संगठनों ने रविवार को बताया कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार द्वारा पिछले साल के विवादित चुनावों के बाद किए गए दमन के तहत गिरफ्तार किए गए 13 लोगों को रिहा किया गया है। हालांकि सरकार की ओर से इन रिहाइयों की तुरंत पुष्टि नहीं की गई, लेकिन विपक्षी नेता हेनरिक कैप्रिलेस ने सोशल मीडिया पर इस कदम का स्वागत किया और इसे जेल में बंद लोगों के लिए एक आगे बढ़ने वाला कदम बताया। उन्होंने बताया कि 8 लोगों को पूरी तरह रिहा किया गया, जबकि 5 को घर में नजरबंद किया गया है। कैप्रिलेस ने एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, आज कई परिवार अपने अपनों से फिर मिल पाए हैं।

स्पेसएक्स के स्टारशिप की लॉन्चिंग टली

वाशिंगटन, एजेंसी। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के विशाल स्टारशिप रॉकेट की लॉन्चिंग टल गई है। लॉन्चिंग से करीब आधा घंटे पहले ही रॉकेट की लॉन्चिंग टाल दी गई। हालांकि आधिकारिक बयान जारी कर कंपनी ने लॉन्चिंग टालने की वजह का खुलासा नहीं किया है, लेकिन दावा किया जा रहा है कि ग्राउंड सिस्टम में अज्ञात तकनीकी दिक्कत के चलते लॉन्चिंग टाली गई है। स्पेसएक्स के इस रॉकेट की लॉन्चिंग इसलिए भी अहम है क्योंकि हाल के समय में कंपनी के रॉकेट में धमाकों की घटनाएं हुई हैं।

बीजिंग में चीनी छात्रा ने दी पहली भरतनाट्यम एकल प्रस्तुति

बीजिंग , एजेंसी। चीन की 17 वर्षीय एक लड़की ने प्राचीन भारतीय नृत्य शैली भरतनाट्यम में एकल प्रस्तुति अरंगेत्रम देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह दूसरी चीनी छात्रा बन गई है। यह चीन में युवाओं के बीच भरतनाट्यम की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। दक्षिण भारत के प्राचीन नृत्य भरतनाट्यम के कलाकारों की दर्शकों, शिक्षकों और विशेषज्ञों के सामने मंच पर उनकी पहली प्रस्तुति को 'अरंगेत्रम कहा जाता है। झांग जियायुआन ने शुक्रवार रात बीजिंग के एक खचाखच भरे सभागार में अपना अरंगेत्रम प्रस्तुत किया। झांग की प्रस्तुति के दौरान भारत के उप-राजदूत अभिषेक शुक्ला के अलावा प्रसिद्ध चीनी भरतनाट्यम कलाकार जिन शान शान भी दर्शकों में शामिल रहीं। झांग को रिया के नाम से भी जाना जाता है। वह अरंगेत्रम प्रस्तुत करने वाली चीन में प्रशिक्षित दूसरी चीनी शिष्या हैं। पिछले साल लगभग इसी समय 13 वर्षीय लेई मुजी चीन में प्रशिक्षित पहली चीनी भरतनाट्यम नृत्यांगना बनी थीं। उन्होंने भारत की प्रसिद्ध भरतनाट्यम कलाकार लीला सैमसन के सामने अरंगेत्रम की सफल प्रस्तुति दी थी। जिन शान शान ने लीला सैमसन के मार्गदर्शन में यह नृत्य विधा सीखी थी। जिन ने चेन्नई के प्रसिद्ध कलाक्षेत्र फाउंडेशन में भारतीय शास्त्रीय नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया था। चीन में भारतीय शास्त्रीय नृत्यों के प्रति जुनून प्रख्यात चीनी नृत्यांगना झांग जुन (1933-2012) ने जगाया था।

वॉशिंगटन डीसी के बाद शिकागो हथियारों से लैस नेशनल गार्ड

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में नेशनल गार्ड की तैनाती के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब इलिनोइस के शिकागो में सैन्य तैनाती की योजना बना रहे हैं। वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार, पेंटागन पिछले कुछ हफ्तों से शिकागो में सैन्य तैनाती की रणनीति पर काम कर रहा है। सितंबर तक शिकागो में एक हजार से अधिक नेशनल गार्ड जवान तैनात हो सकते हैं। ट्रंप ने 12 अगस्त को वॉशिंगटन में 800 नेशनल गार्ड की तैनाती का आदेश दिया था, ताकि राजधानी में बिगड़ी कानून-व्यवस्था को सुधारा जा सके। यह फैसला अपराध, अवैध आप्रवासन और बेघरों पर कार्रवाई से जुड़ा है।

वॉशिंगटन डीसी में ट्रंप के आदेश पर गश्त कर रही कुछ नेशनल गार्ड इकाइयों ने हथियार ले जाना शुरू कर दिया है। रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि कुछ मिशनों में इकाइयां हैंडगन और राइफल्स से लैस होंगी। प्रवक्ता ने कहा कि हथियारबंद इकाइयों को प्रशिक्षित किया गया है और वे

सख्त नियमों का पालन कर रही हैं। रविवार को एसोसिएटेड प्रेस के एक फोटोग्राफर ने यूनियन स्टेशन के बाहर साउथ कैरोलिना नेशनल गार्ड के जवानों को पिस्तौल के साथ देखा।

संयुक्त कार्य बल ने कहा कि रविवार से इकाइयों ने अपने सेवा हथियार ले जाने शुरू किए हैं। सैन्य नियमों के अनुसार, बल का उपयोग केवल अंतिम उपाय के रूप में और केवल मृत्यु या गंभीर शारीरिक क्षति के खतरे में किया जाएगा। यह बल वॉशिंगटन के निवासियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। रक्षा अधिकारी ने बताया कि केवल विशिष्ट अभियानों में तैनात सैनिक हथियार ले जाएंगे, जैसे कि कानून प्रवर्तन की मौजूदगी स्थापित करने के लिए गश्त करने वाले सैनिक। परिवहन या प्रशासनिक कार्यों में लगे सैनिक संभवतः निहत्थे रहेंगे।

रविवार को ट्रंप ने डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले शहरों में सैन्य तैनाती का विस्तार करने की धमकी दी, जिसमें शिकागो और न्यूयॉर्क शामिल हैं। वॉशिंगटन में हजारों नेशनल गार्ड और संघीय कानून प्रवर्तन अधिकारी सड़कों पर गश्त कर रहे हैं, जिसके चलते स्थानीय लोगों ने छिटपुट विरोध प्रदर्शन किए हैं। ट्रंप ने मैरीलैंड के गवर्नर वेस मूर के साथ विवाद में बाल्टीमोर को धमकी दी। मूर ने ट्रंप की अपराध और बेघरों से निपटने के लिए संघीय शक्ति के उपयोग की आलोचना की थी और उन्हें मैरीलैंड आकर जन सुरक्षा पर चर्चा करने का न्योता दिया था। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि वेस मूर का क्राइम रिकॉर्ड बहुत खराब है। अगर उन्हें मदद चाहिए, जैसे लॉस एंजिल्स में गैविन न्यूसम को मिली, तो मैं सैनिक भेजूंगा और अपराध को जल्दी साफ कर दूंगा।

मूर ने कहा कि उन्होंने ट्रंप को निमंत्रण इसलिए दिया क्योंकि वे बाल्टीमोर में अपराध दर में सुधार के बारे में अज्ञानता में रहना पसंद करते हैं। बाल्टीमोर में हिंसक अपराध दर में कमी आई है। 2023 में 200 हत्याएं दर्ज हुईं, जो पिछले साल से 24त्न और 2021 से 42त्न कम हैं। 2023-24 में हिंसक अपराध 8त्न और संपत्ति अपराध 20त्न कम हुए। मूर ने सीबीएस के फेस द नेशन पर कहा कि राष्ट्रपति मुझ पर बात करने में समय बिता रहे हैं, जबकि मैं उन लोगों की सेवा पर ध्यान दे रहा हूं जिनकी मैं सेवा करता हूं।

यहूदी विरोधी हिंसा रोकने के लिए जरूरी कदम नहीं उठाने का लगाया था आरोप

फ्रांस में अमेरिकी राजदूत तलब

पेरिस, एजेंसी।
फ्रांस ने अमेरिकी राजदूत चार्ल्स कुशनेर को तलब किया है। यह कदम तब उठाया गया जब कुशनेर ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि फ्रांस यहूदी-विरोधी (एंटीसेमिटिक) हिंसा को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा है। रविवार को फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।

चार्ल्स कुशनर यहूदी हैं और उनके बेटे की शादी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी से हुई है। उन्होंने यह खुला पत्र अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल में प्रकाशित किया। यह पत्र ऐसे समय में सामने आया है, जब फ्रांस, अमेरिका और इस्राइल के बीच कुछ मुद्दों पर मतभेद गहराते जा रहे हैं।

पत्र में कुशनेर ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति से अपील की कि वह नफरत फैलाने वाले अपराधों पर कानून को सख्ती से लागू करें और इस्राइल की आलोचना में तोड़ी नरमी दिखाएं। उन्होंने यह भी कहा कि फ्रांस की तरफ से फलस्तीन को मान्यता देने जैसी बातों ने देश

में यहूदी-विरोधी घटनाओं को बढ़ावा दिया है।

फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, फ्रांस ने अमेरिकी राजदूत चार्ल्स कुशनेर के उन आरोपों को देखा है, जो उन्होंने राष्ट्रपति को भेजे पत्र में यहूदी-विरोधी घटनाओं में बढ़ोतरी और फ्रांसीसी प्रशासन की ओर से कथित रूप से पर्याप्त कार्रवाई न करने को लेकर लगाए हैं। मंत्रालय ने आगे कहा, राजदूत के ये आरोप अस्वीकार्य हैं। कुशनेर को सोमवार को हाजिर होना होगा। कुशनेर का यह पत्र तब आया जब कुछ दिन पहले इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी मैक्रों को एक पत्र लिखा था। यरूशलम पोस्ट के मुताबिक, उस पत्र में नेतन्याहू ने मैक्रों पर फलस्तीन को मान्यता देने की बात कहकर यहूदी-विरोधी माहौल को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। राष्ट्रपति मैक्रों गाजा में युद्ध और उसमें मारे जा रहे फलस्तीनी नागरिकों को लेकर इस्राइल की आलोचना करने वालों में सबसे आगे रहे हैं, जबकि डोनाल्ड ट्रंप लगातार इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू का समर्थन करते आए हैं। कुशनेर ने अपने पत्र में लिखा, इस्राइल पर सार्वजनिक रूप से की जा रही सख्त टिप्पणियां और फलस्तीन को मान्यता देने जैसे इशारे चरमपंथियों को हौसला देते हैं, हिंसा को बढ़ाते हैं और फ्रांस में यहूदियों के जीवन को खतरे में डालते हैं।

धार्मिक पवित्रता के बहाने जबरन वसूली का गंदा खेल

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में ऑनलाइन चैट के कारण ईशनिंदा के अपराध में लोग जेल भेजे जा रहे हैं। कई अभियुक्तों का कहना है कि उन्हें ऑनलाइन ऐसे लोगों ने फंसाया था जो उनसे जबरन वसूली करना चाहते थे या ईशनिंदा के आरोपों में गिरफ्तारियों की संख्या बढ़ा-चढ़ाकर बताना चाहते थे।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में ईशनिंदा के लिए मौत की सजा हो सकती है, लेकिन अभी तक किसी को इसके लिए फांसी दी नहीं गई है। मानवाधिकार विशेषज्ञों का कहना है कि ईशनिंदा के बढ़ते मामलों को दर्शाना (चाहे वह कृत्रिम हों या नहीं) इस्लामी समूहों के लिए धार्मिक पवित्रता की रक्षा के बहाने जनता का समर्थन जुटाने और धन जुटाने का एक तरीका है।

अभियुक्तों के परिवारों, कानून विशेषज्ञों, मानवाधिकार के पैरोकारों एवं कुछ अधिकारियों के साथ साक्षात्कार के साथ ही सरकारी रिपोर्टों की समीक्षा से भी इससे जुड़े कानूनों के दुरुपयोग का संकेत मिलता है। सरकारी मानवाधिकार संस्था द्वारा पिछले वर्ष अक्टूबर में प्रकाशित एक रिपोर्ट में ऑनलाइन ईशनिंदा के लिए गिरफ्तारियों में तेज वृद्धि दर्ज की गई थी। इसके मुताबिक 2020 में 11, 2021 में नौ और 2022 में 64 गिरफ्तारियां हुई थीं। इसके बाद ईशनिंदा के लिए सजाओं में संशोधन किया गया। इसके बाद गिरफ्तारियों में भारी वृद्धि हुई। 2023 में यह संख्या 213 और 2024 के पहले सात महीनों में 767 तक पहुंच गई।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की जेल में बिगड़ी तबीयत

कोलंबो एजेंसी। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें शनिवार को कोलंबो नेशनल हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती कराया गया। शुक्रवार रात उन्हें सरकारी फंड के दुरुपयोग के आरोप में हिरासत में लिया गया था। कोर्ट ने विदेश यात्रा के लिए सरकारी फंड के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया था, जिसके बाद उनकी हालत बिगड़ गई। कोलंबो नेशनल हॉस्पिटल के डिप्टी डायरेक्टर-जनरल रुक्शन बेल्लाना ने बताया कि विक्रमसिंघे को गंभीर डिहाइड्रेशन की शिकायत थी। उनकी हालत स्थिर है, लेकिन उन्हें गंभीर डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर के चलते निगरानी में रखा गया है। विक्रमसिंघे को शुक्रवार रात कोलंबो की न्यू मैगजीन जेल में रखा गया था, लेकिन जेल के मेडिकल सुविधाओं के नाकाफी होने के कारण उन्हें सरकारी अस्पताल में भेजा गया। एक जेल प्रवक्ता ने बताया कि उनकी हालत बिगड़ने पर तुरंत यह कदम उठाया गया। इससे पहले, विपक्षी नेताओं ने जेल में उनसे मुलाकात की थी।

क्या कीव ने रूसी परमाणु ऊर्जा संयंत्र को बनाया निशाना? यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर बढ़ा संघर्ष

मॉस्को, एजेंसी।
रूस ने रविवार को आरोप लगाया कि यूक्रेन ने उसके पश्चिम क्षेत्र कुर्स्क में स्थित एक परमाणु बिजलीघर पर ड्रोन से हमला किया, जिससे वहां आग लग गई। यह हमला उस समय हुआ, जब यूक्रेन अपनी स्वतंत्रता की 34वीं वर्षगांठ मना रहा था।

रूसी अधिकारियों के मुताबिक, इन हमलों में कई ऊर्जा और बिजली से जुड़ी सुविधाओं को निशाना बनाया गया। बिजलीघर में लगी आग को जल्द ही बुझा लिया गया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। संयंत्र की प्रेस सेवा ने टेलीग्राम पर बताया कि इस हमले में एक ट्रांसफॉर्मर को नुकसान पहुंचा, लेकिन रेडिएशन का स्तर सामान्य बना रहा। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था (आईएईए) ने कहा कि उसे मीडिया के जरिए जानकारी मिली है कि सैन्य गतिविधि के चलते एक ट्रांसफॉर्मर में आग लगी, लेकिन अभी तक इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो पाई है। संस्था के निदेशक राफेल ग्रोसी ने कहा कि हर परमाणु सुविधा की हर समय सुरक्षा जरूरी है। यूक्रेन ने इस कथित हमले पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। इसी बीच, रूस के लेनिनग्राद क्षेत्र के उस्त-लुगा बंदरगाह पर भी आग लगने की खबर है, जो एक बड़ा ईंधन निर्यात केंद्र है। क्षेत्र के गवर्नर ने बताया कि करीब 10 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया गया, जिनके मलबे से आग लगी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि रविवार तड़के रूस के विभिन्न हिस्सों में उड़ रहे 95 यूक्रेनी ड्रोन को उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने नष्ट कर दिया।

सारी जिंदगी की कमाई लगा महिला ने पति के साथ खरीदा 3.3 करोड़ में घर, रहने गई तो हो गई गंभीर बिमारी, सच जान उड़ गए होश

ओहायो , एजेंसी।
अमेरिका के ओहायो में रहने वाली 28 वर्षीय सारा ने अपने पति के साथ मिलकर साल 2024 में लगभग ?3.3 करोड़ की भारी रकम खर्च कर एक नया घर खरीदा। लेकिन सपनों का यह आशियाना जल्द ही एक बुरे ख्वाब में बदल गया। घर में शिफ्ट होते ही सारा की तबीयत लगातार बिगड़ने लगी। उन्हें लगातार सर्दी-खांसी, आंखों के पास लाल चकत्ते, खुजली और यहां तक कि त्वचा फटने जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शुरुआत में उन्होंने सोचा कि शायद मौसम या एलर्जी की वजह से ऐसा हो रहा है, लेकिन हालात बद से बदतर होते गए।जब मेडिकल जांच और घर की गहराई से पड़ताल कराई गई, तो असली कारण सामने आया - घर के भीतर खतरनाक स्तर की फंगस (द्वश्चद्यस्र) मौजूद थी। यह

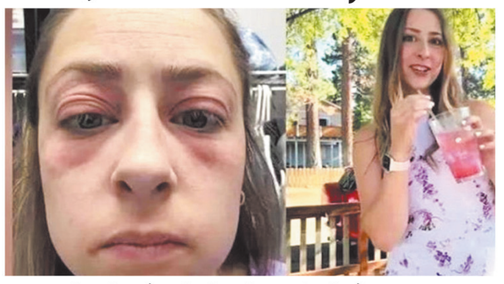

फंगस दीवारों और छिपी हुई जगहों में फैल चुकी थी और लगातार हवा में ज़हरीले कण छोड़ रही थी। जांच में ये भी सामने आया कि घर के पुराने मालिक को इस फंगस के बारे में पहले से जानकारी थी, लेकिन उन्होंने इसे छिपाकर घर बेच दिया। बीमा से नहीं मिली मदद, भारी आर्थिक झटका मोल्ड हटाने का खर्च करीब 10,000 डॉलर (लगभग 8.3 लाख रुपये) आया और बीमा कंपनी ने इस पर कोई सहायता नहीं दी। सारा और कॉलिन को अपने लगभग 90त्न घरेलू सामान को भी फेंकना पड़ा क्योंकि वह भी फंगस से प्रभावित हो चुका था। सारा घर से काम करती थीं और ज़्यादा समय घर के अंदर बिताती थीं, जबकि उनके पति ऑफिस जाते थे। यही वजह रही कि सारा की सेहत पर असर पड़ा लेकिन कॉलिन को कोई लक्षण नहीं हुए। हालात ऐसे हो गए कि सारा को अपने पति से अलग रहना पड़ा और कभी मायके तो कभी ससुराल जाकर अस्थायी रूप से रहना पड़ा। जब उन्होंने अपने माता-पिता के घर में रहना शुरू किया तो उनकी तबीयत में सुधार आने लगा।

हूतियों ने दागी नई किस्म की मिसाइल तो इजरायल ने मचा दी तबाही, यमन में 6 की मौत; 86 घायल

काहिरा, एजेंसी।
ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों द्वारा इजरायल पर एक नए किस्म की मिसाइल दागे जाने के बाद इजराइल ने रविवार को यमन की राजधानी सना पर जोरदार हमला बोला। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, यमन की राजधानी सना पर नियंत्रण रखने वाले हूती विद्रोहियों के अनुसार, इन हमलों में कम से कम छह लोग मारे गए हैं और 86 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इजरायली सेना ने आगे कहा कि उसने एक सैन्य स्थल पर हमला किया, जहाँ राष्ट्रपति भवन स्थित है, साथ ही दो बिजली संयंत्रों और एक ईंधन भंडारण स्थल पर भी हमले किए हैं। इजराइली रक्षा बलों ने कहा है कि

यह हमला इजरायल और उसके नागरिकों पर हूती आतंकवादी शासन द्वारा बार-बार किए जा रहे हमलों के जवाब में किया गया है। इजरायली वायुसेना के एक अधिकारी के अनुसार, इन हमलों में 10 से अधिक लड़ाकू विमानों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि सबसे दूर का लक्ष्य इजरायल से लगभग 2,000 किलोमीटर (1,240 मील) की दूरी पर था। हूतियों द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी ने रविवार को देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से बताया है कि इजरायली हमलों में बड़े पैमाने पर तबाही हुई है और जान-माल का नुकसान हुआ है। रॉयटर्स की खबर के अनुसार, ईरान समर्थित विद्रोहियों द्वारा इजराइल पर क्लस्टर बम दागे जाने के कुछ ही दिन बाद इजराइल का यह हमला हुआ है। हूती मीडिया कार्यालय ने बताया कि सना के बिजलीघर और गैस स्टेशन समेत कई इलाकों को निशाना बनाया गया। निवासियों ने बताया कि राष्ट्रपति भवन के पास समेत कई इलाकों में धमाकों की तेज आवाज़ें सुनी गईं।

अदालत के एक आदेश के बाद ब्रिटेन में भी अप्रवासियों के मुद्दे पर हंगामा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में अदालत के एक आदेश से अप्रवासियों के मुद्दे पर हंगामा हो गया है। दरअसल अदालत ने लंदन उपनगर के एक होटल से शरणार्थियों को निकालने का आदेश दिया है। इस फैसले का विरोध शुरू हो गया तो कई लोग इसके समर्थन में आ गए। इससे हंगामा हो गया है और पुलिस को दोनों पक्षों को नियंत्रित करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका की तरह ब्रिटेन में भी अब अप्रवासियों का मुद्दा राजनीतिक टकराव की वजह बन रहा है। युद्धग्रस्त और गरीब देशों से भारी संख्या में ब्रिटेन में शरणार्थी पहुंच रहे हैं। इंग्लिश चैनल के जरिए अवैध नौकाओं में सवार होकर शरणार्थी ब्रिटेन पहुंच रहे हैं। साथ ही इन शरणार्थियों को सरकारी खर्च पर ठहराने के मुद्दे पर भी तनाव बढ़ रहा है। ब्रिटेन में सरकार शरणार्थियों की अपील पर फैसला होने तक उन्हें अपने खर्च पर ब्रिटेन में ठहराती है, इसके लिए अक्सर होटल्स में शरणार्थियों को ठहराया जाता है। शरण मांगने वालों की बढ़ती संख्या के चलते अब ब्रिटेन की सरकार पर दबाव पड़ रहा है, साथ ही शरणार्थियों का ब्रिटेन में विरोध भी शुरू हो गया है। हालात से निपटने के लिए ब्रिटेन की सरकार ने शरणार्थियों की अपील पर सुनवाई तेज करने का फैसला किया है, ताकि सरकारी खर्च पर ब्रिटेन में रह रहे लोगों को वापस भेजा जा सके। इसके लिए बैकलॉग को भी खत्म किया जा रहा है।

गणेश उत्सव समिति एवं दुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारियों की हुई बैठक

कुम्हारी। विगत दिनाँक 25/08/2025 को गणेश उत्सव समिति एवं दुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई । शासन के परिपत्र/निर्देशों की आवश्यक जानकारी एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए गए, इसमें विशेष रूप से उत्सव पंडालों की सजावट रजत जयंती की थीम पर, विद्युत सुरक्षा, स्वच्छता व्यवस्था, यातायात नियंत्रण तथा ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करने हेतु आग्रह किया गया । साथ ही सभी समिति सदस्यों से अपेक्षा की गई कि वे गणेश उत्सव एवं दुर्गा उत्सव के अवसर पर नगर में आपसी भाईचारा, सौहार्द एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें । बैठक में नगर पालिका अधिकारीगण, पुलिस विभाग के प्रतिनिधि, गणेश उत्सव समिति एवं दुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे ।

चेन्नई में आयोजित है 5 दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता,राज्य के विभिन्न जिलों के 69 किकबॉक्सर और 6 आफिशियल टीम में शामिल

राष्ट्रीय किकबाक्सिंग प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ की सब जूनियर किकबाक्सिंग टीम रवाना

- सीएमए किकबाक्सिंग एकेडमी कोरबा के 24 खिलाड़ी दिखाएंगे दावपेंच

कोरबा । वाको इंडिया किकबाक्सिंग फेडरेशन के मार्गदर्शन में तमिलनाडु किकबाक्सिंग एसोसियेशन के तत्वाधान में मापुसा गोआ में दिनांक 27 से 31 अगस्त 2025 तक चिल्ड्रन एवं कैडेट (बालक बालिका) वर्ग की राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों से लगभग 1400 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। छत्तीसगढ़ किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष छगन मुंदड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा एवं महासचिव आकाश गुरुदीवान ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में शामिल होने वाले राज्य के सीनियर सब जूनियर वर्ग के खिलाड़ियों का चयन कोरबा में आयोजित 12 वी राज्य स्तरीय किकबाक्सिंग प्रतियोगिता एवं गत उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। इन्होंने बताया कि में उक्त प्रतियोगिता में

किकबॉक्सिंग की सभी विधाओं पाइंट फाइटिंग, लाइट कांटेक्ट, किक लाइट, फूल कांटेक्ट, लोकिक, के-वन , म्यूजिकल फार्म्स एवं क्रिएटिव फार्म्स की प्रतियोगिताओं में राज्य के 69 महिला पुरुष खिलाड़ी विभिन्न वजन वर्गो में भाग लेंगे। इन्होंने बताया कि राज्य की टीम में रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, सरगुजा, मुंगेली सहित विभिन्न जिलों के खिलाड़ी ऑफिसियल प्रभात साहू, लोकिता चौहान, मनीष बाग, सर्वर एक्का, अमन सोनी, सूरज साहू, वरुण बाग के साथ हिस्सा ले रहे। सीएमए किकबाक्सिंग एकेडमी कोरबा से बालक वर्ग में खुशाल साहू, शिवा साहू, वैदिक पलेरिया, डीयान यादव, चिराग चौहान,पी साई हर्ष, अप्रतिम पांडेय, प्रद्युम्न गोयल, श्लोक राज राठौर, नमन प्रजापति तथा बालिका वर्ग से कृति साहू, अवन्या तिवारी, वृंदा अग्रवाल, मनसा सिन्हा, नाफिया सिद्दीकी, मानसी यादव, काव्या दिनेश, श्रद्धा साहू, दिव्यांशी ए, नाव्या तिवारी, नूतन तिवारी, हर्षिता यादव, श्रेया लक्ष्मी साहू, दिव्य कर्ष भाग ले रहे। टीम रवाना होने से सी एम ए किकबॉक्सिंग एकेडमी द्वारा सभी किकबाकसर को ट्रैकसूट प्रदान किया गया। छत्तीसगढ़ किकबाक्सिंग एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा ने बताया है कि यह चैंपियनशिप पूरी तरह से डिजिटल है, यानी, सदस्य पंजीकरण, इवेंट भागीदारी, स्कोरिंग, परिणाम सभी ग्लोबल स्पोर्टडेटा इवेंट मैनेजमेंट सिस्टम और आरस्पोर्ट्स सदस्यता प्रणाली के माध्यम से किए जाएंगे। राज्य की टीम के सभी खिलाड़ियों एवं आफिशियल को किकबाक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा, महासचिव आकाश गुरुदीवान, जिला ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष नौशाद खान, सचिव सुरेश क्रिस्टोफर, जिला खेल अधिकारी दिनु पटेल, रामकृपाल साहू, क्रीड़ा भारती कोरबा के अध्यक्ष बलराम विश्वकर्मा, बाल गोविन्द जायसवाल, रविन्द्र दुबे, रघुआथ नायक, वेंकटेश दास मानिकपुरी, सीएमए किक बॉक्सिंग एकेडमी की संचालिका प्रीती मिश्रा, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी, प्रतिभा राय, रेहाना फातिमा, शैलेश सिंह सोमवंशी, विकास नामदेव, जुनैद आलम, अशोक साहू, शुभम यादव, अकुश लाल यादव, रितेश साहा, रमेश साहू, हिमांशु यादव, तुषार सिंह, सोमेश साहू, रमनदीप सिंह, आदित्या पाल अभिभावकों एवं खेलप्रेमियों ने शुभकामनाएं दी है।

गांधी चौक पर भारत माता प्रतिमा स्थल निर्माण में घटिया सामग्री, जनता की सुविधा कुर्बान : जिम्मेदारों की चुप्पी पर सवाल

भारत माता प्रतिमा स्थल या भ्रष्टाचार की नई गाथा

कवर्धा। नगर पालिका परिषद पंडरिया के गांधी चौक पर भारत माता प्रतिमा स्थल का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। यह स्थल केवल नगर का हृदय स्थल ही नहीं बल्कि भीड़-भाड़ और यातायात का प्रमुख केंद्र भी है। ऐसे स्थान पर किया जाने वाला कोई भी कार्य न केवल गुणवत्ता की कसौटी पर खरा उतरना चाहिए बल्कि जनता की सुविधा और भावनाओं का भी सम्मान करना चाहिए। लेकिन, जिस तरह से उक्त निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग और बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी सामने आई है, उसने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राक्कलन में स्वीकृत मानक सामग्रियों के बजाय मिट्टी युक्त नदी की रेत का इस्तेमाल किया जाना न केवल भ्रष्टाचार की बू देता है बल्कि आने वाले समय में स्मारक की मजबूती और सुरक्षा को भी खतरे में डालता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ठेका उसी ठेकेदार को क्यों दिया गया जिसने पांडातराई में भारत माता प्रतिमा स्थल निर्माण में घटिया काम कर विवाद खड़ा किया था? क्या यह जिम्मेदार अधिकारियों की भूल है या फिर जानबूझकर मिलीभगत का नतीजा जनता को इसका जवाब चाहिए। इसके अलावा, जिस स्थान पर पहले यात्री प्रतीक्षालय और शौचालय मौजूद थे, उन्हें तोड़कर प्रतिमा स्थल निर्माण शुरू कर दिया गया है। यह फैसला यात्रियों और खासकर महिला नागरिकों के लिए असुविधा और अपमानजनक स्थिति पैदा करता है। क्या भारत माता के नाम पर स्मारक बनाना जनता की मूलभूत सुविधाओं को छीनने की कीमत पर होना चाहिए । इस पूरे मामले ने नगर पालिका की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। जनता अब यह जानना चाहती है कि आखिर जिम्मेदार लोग सब कुछ देख कर भी मौन क्यों हैं। गांधी चौक जैसे प्रतीकात्मक स्थल पर होने वाले इस निर्माण को केवल एक ÷स्मारक÷ नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और व्यवस्था की नीयत की परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि प्रशासन और जनप्रतिनिधि समय रहते पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं करते, तो यह निर्माण कार्य आने वाले वर्षो में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था का एक और जीवंत उदाहरण बन जाएगा। भारत माता की प्रतिमा के नाम पर जनता से छल करना सबसे बड़ा पाप है। यह स्मारक गर्व का प्रतीक बने, इसके लिए आवश्यक है कि जांच हो, दोषियों पर कार्रवाई हो और निर्माण कार्य पूरी पारदर्शिता से किया जाए ।

चतुर्थ राज्य स्तरीय कूड़ो चैंपियनशिप का आयोजन 23 एवं 24 अगस्त तक

दल्लीराजहरा। चतुर्थ राज्य स्तरीय कूड़ो चैंपियनशिप का आयोजन 23 एवं 24 अगस्त तक स्वामी विवेकानंद सभागार ग्रह दुर्ग में आयोजित किया गया। कूड़ो मार्शल आर्ट छत्तीसगढ़ शासन एवं भारत सरकार से मान्यता प्राप्त खेलों में शामिल है जिसमें दल्ली राजहरा मार्शल आर्ट क्लब के 20 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया व शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 स्वर्ण पदक 8 रजत पदक और 3 कांस्य पदक जीते। पदक जीत कर बालोद जिला के साथ दल्ली राजहरा लौह नगरी का नाम रोशन किया यह सभी दल्ली राजहरा मार्शल आर्ट क्लब के खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीते हैं। राष्ट्रीय प्रतियोगिता अक्टूबर माह में गुजरात में आयोजित है ये खिलाड़ी छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। पदक

विजेता खिलाड़ियों के नाम इस तरह हैं स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी ट्विंकल, नेहा ठाकुर, वर्षा निर्मलकर, पल्लवी साहू , जिया जायसवाल, व जास्मीन साहू। रजक पदक खिलाड़ियों के नाम महिमा, काव्या, कप्सा ,आदित्य, हर्षदीप साहू ,आयुष यादव, हर्ष देवांगन ,राधा भारद्वाज। कांस्य पदक विजेता खिलाड़ियों के नाम सोनम साहू, सिमरन सिंह, अदिति हैं। कोच के रूप में वाणी ने अपनी शानदार भूमिका निभाई। इस अवसर पर दल्ली राजहरा माइंस के मुख्य महाप्रबंधक आर बी गहरवार, नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू सहायक प्रशिक्षक हरबंस कौर ,प्रणव शंकर साहू ,मिलन एवं खेल प्रेमियों ने बधाई दिए हैं।

विकासखण्ड स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रथम पुरस्कार मिला हायर सेकेंडरी गोढ़ी कला को

बेमेतरा। विकासखण्ड स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन शास.बा.उ.मा.वि. नवागढ़ में आयोजित किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के आदेशानुसार विषय सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल नौ हाई एवं हायर सेकण्डरी विद्यालय शामिल हुए। जिसमें शास. हाई स्कूल नांदल, हायर सेकण्डरी कटई, खेड़ा, प्रतापपुर, गोढ़ीकला, बालक नवागढ़, सेजेस मारो, सेजेस अंग्रेजी माध्यम नवागढ़, झाल है।प्रतियोगिता का आयोजन प्राधिकरण के द्वारा दिये गये निर्धारित मापदंड एवं नियमों के अनुसार किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हायर सेकण्डरी स्कूल गोढ़ीकला को रू. 2500.00, द्वितीय स्थान हायर सेकण्डरी स्कूल खेड़ा को रूपये 2000.00, तृतीय स्थान हायर सेकण्डरी स्कूल प्रतापपुर को रूपये 1500.00 दिया गया। साथ ही सेजेस नवागढ़, हायर सेकण्डरी बालक नवागढ़ और हायर सेकण्डरी स्कूल कटई को सांत्वना पुरस्कार के रूप में प्रत्येक को रूपये 1000.00 दिया गया। इस अवसर पर जी.पी. बनर्जी प्राचार्य शास.बा.उ.मा.वि. नवागढ़, हितेन्द्र बंजारे सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी नवागढ़ एवं जगजीवन राम साहू विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक नवागढ़, व्याख्याता सिलोचन साहू, प्रभारी प्राचार्य आर.डी. गहिरे, सरेश बंजारे प्रधान पाठक मा.शा. तोरा, सुरेश साहू निर्णायकगण दीपचंद देवांगन, कमलेश साहू, पूर्णानंद तिवारी, सरोज कुमार कुर्रे, जितेन्द्र चौहान, जितेन्द्र राजपुत एवं कुमार वर्मा एवं संबंधित विद्यालय के प्रभारी शिक्षक / शिक्षिका उपस्थित रहे।

समाधान महाविद्यालय में शिक्षा क्या और क्यों? विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

बेमेतरा। सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति द्वारा संचालित समाधान महाविद्यालय एवं आईटीआई में शिक्षा क्या और क्यों? विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना से किया गया। महाविद्यालय के डायरेक्टर अविनाश तिवारी एवं डॉ.अवधेश पटेल ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मध्यस्थ दर्शन अस्तित्ववाद के अध्येता व सामाजिक कार्यकर्ता सत्यप्रकाश भारत रहे, जो कि भारत के श्रीनगर से लेकर कन्याकुमारी तक संपूर्ण भारतवर्ष की यात्रा कर चुके हैं। कन्याकुमारी व ईटानगर (अरूणाचल प्रदेश) भारत जोड़ो अभियान साइकिल मार्च में

अपनी भागीदारी दे चुके हैं। उन्होंने अपने विचारों को साझा करते हुए बताया कि शिक्षा क्यों जरूरी है? शिक्षा हमें स्वयं, परिवार, मानव समाज व शेष प्रकृति के साथ जीना सिखाती है। ?आज का मानव सही ढंग से जीवन नहीं जी पा रहा है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हम निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। अब आवश्यकता इस बात की है कि मानव प्रकृति के साथ संतुलन, संरक्षण व सदुपयोग कर मानवीयतापूर्ण आचरण से जीवन व्यतीत करें। शिक्षा का कार्य केवल मनुष्य के लिए है। मानव में कल्पनाशीलता व निर्माण करने की क्षमता शक्तियां विद्यमान है। शिक्षा क्या है? प्रकृति की चार अवस्थाओं पदार्थावस्था, प्राणावस्था, जीवावस्था एवं ज्ञानावस्था के रूप, गुण, स्वभाव व धर्म को समझना ही शिक्षा है। मानव में सुखी होने का आधार विश्वास, विश्वास का आधार निश्चित आचरण, निश्चित आचरण का आधार निश्चित आवश्यकता एवं निश्चित आवश्यकता का आधार निश्चित समझ है। प्रश्नों के सही उत्तर प्राप्त होने पर मानव तृप्ति पाता है। बेंगलुरु के पूर्व वीसी एवं एचआर मनित मित्तल ने जीवन में आगे बढ़ने के लिए स्वयं के आदर्श मित्र होने का सुझाव दिया। तत्वम ग्रुप के सचिव एस. के. शर्मा ने बताया कि स्वयं में विश्वास, संबंधों में विश्वास, स्वस्थ शरीर तथा अपराध मुक्त मानसिकता से जीवन की वास्तविक सफलता को प्राप्त किया जा सकता है। हमें स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़कर लोगों को रोजगार देना है। विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से प्रश्न पूछे। आईटीआई की छात्रा अनुराधा साहू ने पूछा कि यदि कोई व्यक्ति हमसे अच्छा व्यवहार ना करें तो हम क्या करें? सर ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में स्वयं को अच्छे तरीके से रखें, हर समस्या का समाधान हो जाएगा। छात्र राजू ने पूछा कि जीवन का लक्ष्य क्या है? विशेषज्ञों का कहना था कि स्वयं व समाज के लिए उपयोगी बनना ही मानव जीवन का लक्ष्य है। अतिथियों को महाविद्यालय की डायरी से सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के डायरेक्टर अविनाश तिवारी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्या की रोशनी में समाधान महाविद्यालय अपने नाम के अनुरूप कार्य की ओर प्रयासरत है। महाविद्यालय विद्यार्थियों को अस्तित्वमूलक ज्ञान से परिचित कराकर जीवन का सही कंटेंट प्रदान करने को तैयार है, बस आवश्यकता इस बात की है कि वे कितने सच्चे भाव व ईमानदारी से ज्ञान ग्रहण करने को तैयार है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी उमेश सिंह राजपूत, उपप्राचार्य लक्ष्मीनारायण, तत्वम ग्रुप के संस्थापक प्रशांत बैस, बेमेतरा जिले के रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष व तत्वम ग्रुप के संभाग संयोजक शत्रुहन सिंह साहू, रायपुर के पूर्व चार्टर्ड अकाउंटेंट अजय चंद्राकर एवं समस्त सहायक प्राध्यापक योगेश्वर सिन्हा, रूपेंद्र डहरिया, संगीता अग्रवाल, विनीता अग्रवाल, पीतांबर झा, प्रीति शर्मा, राजेश गजपाल, राजेश यादव, अंशु दत्ता, शुभम गजभिये, अमित कुमार पटेल, नूतन मिश्रा, हुतेन्द्र कुमार सिन्हा, हरीश कुमार पटेल, रेशमा पटेल,श्रीयता तिवारी, रितेश साहू, जोगेंद्र साहू, होरीलाल देवांगन, कमलेश साहू व धर्मपाल नोन्हारे सहित समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सीसीआरटी प्रशिक्षण उदयपुर के लिए गर्रा स्कूल की शिक्षिका अर्पणा शर्मा का चयन

बेमेतरा। सांस्कृतिक संसाधन एवं प्रशिक्षण केंद्र भारत सरकार के तत्वाधान में आयोजित शिक्षा में कठपुतली की भूमिका विषय पर राजस्थान के शहर उदयपुर में दिनांक 27 अगस्त से 10 सितम्बर तक प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है! जिसमें पूरे भारत वर्ष के विभिन्न राज्यों के शिक्षकों के द्वारा अपने अपने राज्यों की संस्कृति की प्रस्तुति दी जाएगी। इसी तारतम्य में छत्तीसगढ़ राज्य से भी दस शिक्षक शिक्षकाओं का चयन इस प्रशिक्षण हेतु किया गया है। जो छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व सीसीआरटी उदयपुर में करेंगे। इनमें बेमेतरा जिले से शासकीय प्राथमिक शाला गर्रा विकासखंड साजा की शिक्षिका अर्पणा शर्मा का भी चयन हुआ है। वे बेमेतरा जिले से छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व

करेंगी। सीसीआरटी (सांस्कृतिक संसाधन एवं प्रशिक्षण केंद्र) के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों, छात्रों और प्रशासकों के बीच भारत की विविध क्षेत्रीय संस्कृतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। ताकि एक एकीकृत सांस्कृतिक समझ विकसित की जा सके। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय कला और संस्कृति का संरक्षण, संवर्धन और प्रसार करते हैं। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ावा देना है। 'इन-सर्विस' शिक्षकों को प्रशिक्षित कर उनकी संख्या बढ़ाना, ताकि सांस्कृतिक शिक्षा को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। शिक्षिका अर्पणा शर्मा ने बताया कि सीसीआरटी (ष्टष्टक्रञ्ज) कठपुतली कला को शिक्षा में एक सहायक माध्यम के रूप में बढ़ावा देता है। जिसके तहत शिक्षकों को कठपुतली बनाना, उनका संचालन करना और शैक्षिक आलेख तैयार करना सिखाया जाता है। यह कला-एकीकृत दृष्टिकोण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है और छात्रों की रचनात्मकता को बढ़ाती है। सीसीआरटी शिक्षकों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करता है, जिसमें कठपुतली बनाने और कठपुतली आधारित शैक्षिक कार्यक्रमों को तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह कार्यशालाएं शिक्षकों को कम लागत वाली, व्यर्थ सामग्री से कठपुतली बनाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। कठपुतली कला को शिक्षा में एकीकृत किया जाता है, जिससे छात्रों की रचनात्मकता और कलात्मक क्षमताओं का विकास होता है। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले अन्य शिक्षकों में रायपुर जिले से एंजलीना पीटर, कवर्धा जिले से दिलेश्वरी देवांगन, उमेश कुमार ठाकुर, कोरबा जिले से निशा अग्रवाल, धमतरी जिले से मेनका सिन्हा, महासमुंद जिले से नीलकंठ यादव, सरगुजा जिले से प्रिया सिंह शामिल है।

टमाटर चोरी के प्रयास में पिता-पुत्र की बिजली करंट से मौत, खेत मालिक गिरफ्तार

कवर्धा। ग्राम कोहड़िया में टमाटर की फसल की सुरक्षा के लिए असुरक्षित तरीके से खेत में बिजली करंट लगाने के कारण एक पिता-पुत्र की दर्दनाक मृत्यु हो गई। मृतकों की पहचान जहरू निषाद (60 वर्ष) और उनके पुत्र श्रवण निषाद (24 वर्ष) के रूप में हुई। घटना 24 अगस्त की रात हुई, जब दोनों खेत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। परिजनों की शिकायत पर चौकी रणवीरपुर में मर्ग क्रमांक 38/25 एवं 39/25 दर्ज किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण सीधे बिजली करंट को पाया गया। हिस्तोपैथोलॉजी जांच हेतु मृतकों के त्वचा नमूने सुरक्षित किए गए हैं। जांच में यह सामने आया कि ग्राम कोहड़िया निवासी विशाल पटेल (50 वर्ष) ने टमाटर की फसल की चोरी रोकने के लिए खेत में जमीन के समानांतर जीआई तार से करंट प्रवाहित किया था। आरोपी को 26 अगस्त को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड के लिए अदालत में पेश किया गया। आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार किया है और घटना से संबंधित बिजली कनेक्शन और जुलाई 2025 का बिजली बिल भी जप्त किया गया है। पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर मृतकों का पंचनामा और पीएम कर आरोपी की पहचान कर गिरफ्तारी सुनिश्चित की। घटना की वैज्ञानिक और तकनीकी जांच जारी है। यह दुखद घटना टमाटर चोरी और असुरक्षित बिजली प्रयोग के खतरनाक परिणामों को उजागर करती है।

डोनेट ब्लड वेलफेयर फाउंडेशन डीबी ग्रुप का 10 वां स्थापना दिवस

दल्लीराजहरा। रक्त दलाली की रोकथाम एवं रक्त की आवश्यकता को पूरा करने के लिए बनाया गया डोनेट ब्लड वेलफेयर फाउंडेशन डीबी ग्रुप का 10 वां स्थापना दिवस हल्बा समाज भवन में मनाया गया। ज्ञात रहे कि संस्था रक्तदान के साथ ही बेजुबान जानवर को प्रोटीन युक्त भोजन प्रदान करती है और पर्यावरण बचाने के उद्देश्य से पौधा रोपण कर के महिलाओं के द्वारा उनका संरक्षण किया जाता है संस्था के प्रदेश सचिव पवन सोनी एवं सुमित जैन ने बताया इस अवसार पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें राजहरा एवं ग्रामीण क्षेत्र से आए रक्तवीरों ने 134 यूनिट रक्तदान कर दल्ली राजहरा के इतिहास में रिकॉर्ड रक्तदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सामाजिक अध्यक्ष गण मुस्लिम समाज, निषाद समाज, साहू

समाज, मानिकपुरी समाज, पटेल समाज, हल्बा समाज, पूज्य सिंधी समाज, सर्व समाज एवं व्यापारी संघ पद अधिकारी एवं अन्य सामाजिक संगठन पत्रकार उपस्थित रहे ज्योति अस्पताल के संचालक अशोक कुमार ठाकुर एवं मती मंता ठाकुर अपने उद्बोधन में कहा रक्तदान करने से हमारे शरीर में नया रक्त बनता है और गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है स्वास्थ लाभ लेने के लिए सभी को रक्तदान नियमित समय पर करना चाहिए। महिला अध्यक्ष ममता मानकर ,नाज मेमन ने बताया इस बार महिलाओं का रक्तदान के प्रति रुझान पहले से भी बहुत ज्यादा अच्छा रहा अब नियमित रक्तदान करने के लिए नारी शक्ति भी आगे आ रहीं और समाज सेवा के क्षेत्र में अपना योगदान दे रहे हैं। सुमित जैन,सूरज गुप्ता ने बताया महिला रक्तविरंगना 16 यूनिट रक्तदान किए जो कि हमारे लिए बहुत खुशी की बात है और हमारी टीम मिल कर प्रयास कर रही है कि और महिलाएं रक्तदान के प्रति जागरूक हो सके महिलाओं में रक्तदान करने वाले पूर्णिमा टंडन पद्मावती राव प्रिया गोस्वामी श्वेती साहू निकिता पंजवानी राजेश्वरी साहू ममता जैन श्वेता कथूरिया रेणुका साहू शिवानी मानिकपुरी उषा साहू आदि रक्तदान किए संस्था के संस्थापक अध्यक दीपक साहू ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों से यूवाओं की टीम गठित कर के रक्तदान के लिए युवा रक्तमित्र साथियों को जोड़ा जा रहा है ताकि नगर के आस पास से आए ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद को बहुत ही आसानी से रक्त उनके ही ग्रामीण युवा रक्तमित्र के द्वारा रक्त उपलब्ध हो सके एवं माननीय कलेक्टर महोदया के आदेशानुसार सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी रक्तवीरो को हेलमेट एवं प्रमाणपत्र दे कर सम्मानित किया गया व्यापारी संघ के पद अधिकारी गोविंद वाधवानी ने बताया डीबी ग्रुप कैसे जरूरतमंद लोगों को तत्काल रक्त उपलब्ध कराते है दीपक साहू पवन सोनी एवं उनकी समस्त टीम सर्वसमाज के साथ मिल कर अच्छी पहल कर रही है हमारी टीम सदैव डीबी ग्रुप के साथ खड़ी है जब भी शहर में या शहर के बाहर रक्त की आवश्यकता होती है तो टीम अपना योगदान प्रदान करती है।

समाज के प्रमुख संतोष घराना, शेख नय्यूम, काशी निषाद, रामदास मानिकपुरी विद्या रावटे योगेंद्रा सिन्हा इन्होंने भी उद्बोधन दिए। कार्यक्रम में आभार व्यक्त संस्था के जिला संरक्षक तिलक मानकर ने किया।

वास्तु के अनुसार उत्तरमुखी घर क्यों माना गया है शुभ

वास्तु में उत्तर मुखी घर को शुभ माना गया है। उत्तर दिशा को धन के देवता भगवान कुबेर की दिशा है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, उत्तर मुखी मकान को शुभ माना गया है। मान्यता है कि यह धन, सुख-समृद्धि व संपन्नता के साथ सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है। उत्तर दिशा को धन के देवता भगवान कुबेर की दिशा माना गया है। इसलिए उत्तर दिशा को धन व संपन्नता से जुड़ा माना गया है। जानें वास्तु एक्सपर्ट से उत्तर मुखी घर क्यों शुभ होते हैं और उत्तर मुखी घर की शुभता के लिए क्या उपाय करने चाहिए।

कुबेरजी की दिशा

वास्तु के अनुसार, जब घर से बाहर निकलते हुए हमारा मुख उत्तर दिशा की ओर होता है तो वह मकान उत्तर दिशा का होता है। यह कुबेरजी की दिशा मानी जाती है और धन को आकर्षित करती है। बैंकिंग तथा वित्त से जुड़े कार्य करने वालों के लिए यह घर अच्छे होते हैं।

शुभ परिणाम के लिए करें ये काम :- वास्तु के अनुसार, अगर उत्तर दिशा को साफ-सुथरा रखते हैं, वहां हरे पौधे रखते हैं तो जीवन में बहुत नए अवसर मिलते हैं। उत्तर दिशा से और ज्यादा शुभ परिणाम प्राप्त करने के लिए वहां पर एक पीतल की गदा लगाएं।

सकारात्मक ऊर्जा का होता है संचार

वास्तु के अनुसार, उत्तर मुखी घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाहित होती रहती है, जिससे घर का वातावरण सकारात्मक व सुखद रहता है। उत्तर मुखी मकान में रहने वाले लोगों को मानसिक शांति के साथ शारीरिक स्वास्थ्य में भी लाभ मिलता है।

सूर्य की रोशनी

वास्तु के अनुसार, उत्तर मुखी मकान में पूरे दिन सूर्य की भरपूर रोशनी रहती है, जो कि घर के जरूरी है। कहा जाता है कि घर में सूर्य की रोशनी का प्रवेश शुभ माना गया है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है। इससे जीवन में आर्थिक उन्नति व करियर में सफलता मिलती है।

मिलती है आर्थिक संपन्नता :- माना जाता है कि उत्तर दिशा वाला घर भी समृद्धि और संपन्नता को आकर्षित करता है। उत्तर दिशा से बहने वाली सकारात्मक ऊर्जा आर्थिक उन्नति को बढ़ाती है और जीवन के कई पहलुओं में सफलता के अवसर लाती है।

बारिश के मौसम में स्किन को मॉइस्चराइज करने में न करें ये गलतियां

बारिश के मौसम में स्किन की ज्यादा केयर करनी पड़ती है, क्योंकि इस मौसम में त्वचा से जुड़ी परेशानियां बढ़ जाती हैं। वहीं मौसम के बदलने का असर आपकी स्किन पर पड़ता है। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही आपकी स्किन को खराब कर देती है। इस मौसम में उमस की वजह से पिंपल्स, एक्ने, डार्कनेस की समस्या ज्यादा बढ़ जाती है। ऐसे में स्किन को सही तरह से मॉइस्चराइज करना बहुत जरूरी है। तो आइए जानते हैं कि स्किन को मॉइस्चराइज करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

लाइट वेट मॉइस्चराइजर का करें इस्तेमाल

बारिश के मौसम में अगर आप नहीं चाहते कि आपकी स्किन में कोई प्रॉब्लम हो तो सही तरह का मॉइस्चराइजर यूज करें। मॉइस्चराइजर ऐसा होना चाहिए जो आपकी स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल को कंट्रोल करने में हेल्प करें और आपकी स्किन को मॉइस्चराइज रखें। क्योंकि ह्यूमिडिटी की वजह से स्किन ज्यादा ऑयली हो जाती है।

वॉटर बेस्ड मॉइस्चराइजर का करें यूज

बारिश के मौसम में ह्यूमिडिटी की वजह से स्किन में चिपचिपाहट महसूस होने लगती हैं ऐसे में आप हमेशा जेल बेस्ड मॉइस्चराइजर का ही इस्तेमाल करें जिससे आपकी स्किन हाइड्रेटेड रहे और पोर्स क्लॉग न हों।

गलत मॉइस्चराइजर का चुनाव करना

हमेशा अपने स्किन टाइप के हिसाब से ही मॉइस्चराइजर का यूज करें। अगर आप अपने स्किन टाइप का ध्यान रखते हुए मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल नहीं करते हैं तो ऐसे में आपको स्किन प्रॉब्लम हो सकती हैं। इसलिए हमेशा अपनी स्किन टाइप और केयर को ध्यान में रखते हुए मॉइस्चराइजर चुनें।

स्किन को मॉइस्चराइज करने से पहले करें चेहरा साफ

आप कभी भी स्किन को मॉइस्चराइज करें तो इस बात का ध्यान रखें कि चेहरा साफ है या नहीं। पहले किसी माइल्ड फेस वॉश या साबुन से चेहरे को धो लें। फिर स्किन पर मॉइस्चराइजर लगाएं। अगर आप चेहरे को बिना साफ किए मॉइस्चराइज करते हैं तो आपको स्किन प्रॉब्लम्स जैसे पिंपल्स और एक्ने हो सकते हैं।

मानसून में स्किन पर खुजली या जलन क्यों बढ़ जाती है?

बारिश के मौसम में हवा में नमी और भी ज्यादा बढ़ जाती है।ऐसे में ह्यूमिडिटी भी रहती है जिसकी वजह से चिपचिपाहट का होना लाजमी है। उमस में नॉर्मल से अधिक पसीना आता है जो स्किन प्रॉब्लम्स को बढ़ाता है जिसके कारण खुजली, फंगल इंफेक्शन, जलन जैसी समस्याएं होने लगती हैं। बरसात में त्वचा पर खुजली होने के कई कारण हो सकते हैं, जिनको समय से पहचानकर आप इससे निजात पा सकते हैं। त्वचा पर खुजली की समस्या के कारण कुछ लोगों को त्वचा पर रैशेज और सूजन की दिक्कत भी हो जाती है। बारिश के मौसम में ह्यूमिडिटी के कारण चिपचिपाहट रहती है जिस वजह से ज्यादातर लोग पानी कम पीते हैं। इस मौसम में हम जो भी सब्जियां या फल बाजार से खरीदकर लाते हैं उनमें बैक्टीरिया और कीटाणु होते हैं जो हमारी सेहत के साथ-साथ स्किन के लिए भी नुकसानदायक होते हैं। अगर हम साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखते हैं तो इस वजह से भी स्किन प्रॉब्लम्स बढ़ जाती हैं।

न करें ये गलतियां

⏭ नमी और पसीने है कारण

बारिश के मौसम में हवा में नमी बढ़ जाती है। जिस वजह से पसीना भी ज्यादा आता है जिसके कारण चिपचिपाहट होने लगती है। दरअसल, नमी और पसीने के कारण खुजली की समस्या बढ़ जाती है। क्योंकि पसीने और गंदगी की वजह से बैक्टीरिया और फंगस पनपने लगते हैं जो स्किन प्रॉब्लम्स को बढ़ावा देते हैं।

⏭ साफ-सफाई न होना

बरसात के मौसम में अगर आप अपने आसपास साफ-सफाई नहीं रखते हैं तो इस वजह से आपको चेहरे पर जलन और खुजली की समस्या हो सकती है। इसलिए बारिश के मौसम में साफ-सफाई का खास ख्याल रखें।

⏭ सूती कपड़े न पहनना

गर्मियों और बारिश के मौसम में आपको सूती कपड़े ही पहनने चाहिए ये कंफरटेबल होने के साथ-साथ आपकी स्किन को भी इरिटेट नहीं होने देते हैं। क्योंकि ये सॉफ्ट फैब्रिक का कपड़ा आपकी त्वचा को खुजली और जलन की समस्या से बचाता है।

⏭ रोजाना न नहाना

कुछ लोग ऐसे होते हैं जो बारिश के मौसम में भी नहीं नहाते है। पर आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। बारिश के मौसम में तो शरीर को और ज्यादा साफ रखने की जरूरत होती है। इसलिए इस मौसम में आपको जरूर नहाना चाहिए। अगर आप चाहें तो नीम के पानी से भी नहा सकते हैं जिससे फंगल इंफेक्शन और बैक्टिरिया का खतरा कम हो जाता है।

पौधे रखने के लिए बेस्ट है ये कोना

जान लें वास्तु टिप्स

घर को सजाने के लिए हम कई कोशिशें करते हैं। अच्छी पेटिंग्स, बेहतरीन डिज़ाइन, डिजाइनर शोपीस से हम घर को खूब सजाते हैं। वहीं घर के कोनों में जान फूंकने के लिए अगर पौधे लगा लिए जाए तो बात ही अलग हो जाती है। इनडोर और आउटडोर रखे जाने वाले पौधे आपने भी अपने घर में खूब लगाए होंगे, लेकिन क्या ऐसा करने से पहले आपने कभी वास्तु के बारे में सोचा? वास्तु को ध्यान में रखकर प्लेस किए गए पौधे एक अलग तरह की एनर्जी बूस्ट करते हैं। तो चलिए जानते हैं कि आखिर पौधों को किस तरह से और कहां रखना चाहिए और उन्हें सही जगह रखने के बाद भी हमें किन चीजों का ध्यान रखना चाहिए?

पौधों को रखने की सही दिशा

बड़े पौधों जैसे बैम्बू या फिर स्नेक प्लांट को आप हमेशा घर की पूर्व दिशा में ही रखें। वहीं मनी प्लान्ट्स को आप घर की उत्तर दिशा में रखें। दोनों ही दिशाओं को काफी पॉजिटिव माना जाता है। ऐसे में आप सही दिशा में पौधों को रखकर ना सिर्फ घर की शोभा बढ़ा पाएंगे बल्कि इससे आपको खूब अच्छी एनर्जी भी मिलेगी और घर के सभी निगेटिव वाइब्स भी छूमंतर हो जाएंगे।

इस पौधे को हमेशा रखें घर से बाहर

लोग अक्सर घरों में कांटेदार पौधे जैसे कैक्टस भी लगाते हैं। इसे घर के अंदर कभी नहीं रखना चाहिए। वास्तु के हिसाब से इसे घर के अंदर रखने से नेगेटिव एनर्जी आ सकती है। ऐसे में इस पौधे को घर के बाहर बालकनी या बगीचे में लगाना चाहिए।

जानें कौन सा पौधा है सुपरहीरो

तुलसी का पौधा जिस भी घर में हो, वहां पॉजिटिव एनर्जी आनी ही आनी है। इसे घर के दक्षिण दिशा में लगाने से बचना चाहिए। तुलसी को आप अपने घर के उत्तर, पूर्व या फिर उत्तर-पूर्व दिशा में लगा सकते हैं।

दिखावटी पौधों की नो-एंट्री

आजकल बाजार में मिलने वाले आर्टिफिशयल पौधे आपके घर की सुंदरता तो बढ़ा देंगे लेकिन इसे ना ही लगाएं तो बेहतर है। इनके मेंटेनेंस में कोई खर्चा तो नहीं आता है,लेकिन ये खराब वाइब्स जरूर दे सकते हैं।

नियमित रूप से देते रहे पानी

पौधों को लगातर इनकी देखभाल भी ठीक से करिए। समय-समय पर इनमें पानी-खाद डालते रहिए। साथ ही जरूरत पड़ने पर इनकी कांट-छांट भी करते रहिए।

घर में लगाएंगें ये पौधे तो मिलेगी शांति

वैसे तो बाजार में कई तरह के ऐसे पौधे मिल जाएंगे जो फूल देते हैं लेकिन लीली या फिर जैस्मिन की बात ही अलग होती है। ये पौधे आसानी से आपका मूड बूस्ट कर सकते हैं।

बुखार के बाद कमजोरी क्यों होती है?

जानिए तेजी से ठीक होने के तरीके

बुखार से उबरने के बाद आप कमजोरी क्यों महसूस करते हैं। इसके पीछे कई कारण हैं। बीमारी तो मुख्य कारण है ही, उसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनके कारण कारण आप बुखार होने के बाद कमजोरी महसूस करते हैं। डॉक्टर बताते हैं कि इसके पीछे कई कारण होते हैं। उन कारणों में एक डिहाइड्रेशन भी होता है। जिसके कारण बुखार के दौरान और कई बार बाद में भी कमजोरी महसूस होती है। कई बार यह कमजोरी बहुत ज्यादा हो जाती है, जिसके कारण चक्कर भी आने लगते हैं।

फिजिशियन बताते हैं कि बुखार होने पर शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता संक्रमण से लड़कर उसे दूर करने के प्रयास शुरु कर देती है। जिसके कारण ऊर्जा खर्च होती है और शरीर में डिहाइड्रेशन भी होती है। इसके कारण बुखार होने पर आपको कमजोरी महसूस होती है। कई बार यह कमजोरी इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि मरीज को बिस्तर से उठने में भी परेशानी होती है और चक्कर आने लगते हैं। मरीज को शरीर का बैलेंस बनाए रखने में भी परेशानी होती है। बुखार होने पर आपको कुछ सावधान बरतनी चाहिए। बुखार होने पर स्वाभाविक रूप से शरीर में पानी की कमी होती है। इसे दूर करने के लिए आपको पर्याप्त मात्रा में पानी और तरल पदार्थ लेने चाहिए।

इसके साथ ही बुखार में संक्रमण से लड़ने के लिए शरीर को ऊर्जा की जरूरत होती है। कई बार बुखार होने मरीज की भूख खत्म हो जाती है, जिसके कारण वह कुछ खाता नहीं है। जरूरत है कि बुखार होने पर डॉक्टर की सलाह से पौष्टिक आहार लिया जाए। जिससे शरीर में ऊर्जा बनी रहे। इससे आपको बुखार से जल्दी उबरने में भी सहायता मिलेगी।

प्याज हेल्थ के लिए कई तरह से फायदेमंद

प्याज का इस्तेमाल केवल खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए नहीं किया जाता। बल्कि ये सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। इसमे कई तरह से प्लांट कंपाउंड्स, मिनरल्स और विटामिन्स होते हैं। जिसकी वजह से इसे डाइट में शामिल करना हेल्दी ऑप्शन है। एंटीऑक्सीडेंट्स और मिनरल्स से भरपूर होने के साथ ही प्याज में एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज काफी ज्यादा मात्रा में होते हैं। जिसकी वजह से ये शरीर में पनपने वाले बैक्टीरिया को मारने में मदद करता है। अगर आप स्किन से लेकर बालों में डैंड्रफ जैसे कई सारे इंफेक्शन से जुड़ी दिक्कतों से जूझ रहे हैं तो प्याज को इन तरीकों से कंज्यूम करें। जानें प्याज से दूर होने वाली बैक्टीरियल समस्याएं।

प्याज में एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज की मात्रा

प्याज में क्वेरेसेटिन होता है जो शरीर में पनप रहे बैक्टीरिया की ग्रोथ को कम करता है। जैसे ई कोलाई, बैसीलस, स्यूडोमिनस यूरेजिनोसा। इसके साथ ही प्याज प्रोबायोटिक का भी रिच सोर्स है। जिसकी वजह से ये गट हेल्थ को भी इंप्रूव करने में हेल्प करता है। प्याज के फायदे हेल्थ के साथ ही स्किन के लिए भी रहते हैं। इन समस्याओं से जूझ रहे हैं तो प्याज की ड्रिंक पीने से मिलेगा फायदा।

अगर स्किन में दाद-खाज और खुजली की समस्या बार-बार हो जाती है। या फिर सिर में बहुत ज्यादा मात्रा में डैंड्रफ हो रहा है। तो प्याज इस समस्या को कम करने में मदद कर सकता है।

पेट में इंफेक्शन - काफी सारे लोगों की शिकायत पेट में इंफेक्शन की रहती है अक्सर लोगों को दस्त, डायरिया के साथ उल्टी और पेट में दर्द होने लगते हैं। अगर ये सब दिक्कतें पेट में इंफेक्शन की वजह से होती हैं तो प्याज इस समस्या का समाधान कर सकता है।

यूरिन इंफेक्शन - यहां तक कि अगर यूरिन में इंफेक्शन महिलाओं में बार-बार उभर आता है तो उन्हें भी प्याज की ड्रिंक पीने से फायदा होगा। जानें प्याज की ड्रिंक को कैसे बनाएं कि इन हेल्थ प्रॉब्लम में फायदा हो।

कैसे करें ऑयली स्किन की देखभाल

आप स्किन केयर उत्पाद खरीदते समय सबसे पहले क्या देखती हैं? यही न कि वह उत्पाद किस तरह की त्वचा के लिए बना है। यानी स्किन केयर में इस बात का सबसे पहले ख्याल रखने की जरूरत है कि त्वचा का प्रकार क्या है। उसी के हिसाब से आप सही उत्पाद चुन पाएंगी और आपकी त्वचा की दमक और सेहत दुरुस्त रह पाएगी। त्वचा की समस्या भी हर मौसम और त्वचा के प्रकार के हिसाब से अलग-अलग होती है। मसलन, गर्मी और मानसून में तैलीय त्वचा वालों को सबसे ज्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इस दौरान त्वचा में तेल का उत्पादन ज्यादा होता है, जिसके चलते चिपचिपाहट, खुजली, रैशेज और दानों की समस्या आम हो जाती है।

क्या है तैलीय त्वचा की पहचान?

सबसे पहले तो यह पता लगाएं कि आपकी त्वचा तैलीय है या नहीं। इसके लिए सबसे सही समय है सुबह का, जब आप सोकर उठती हैं। सुबह उठकर अपने चेहरे पर एक सूखा टिश्यू पेपर रखें। अगर वह त्वचा से चिपक जाता है या उस पर तेल नजर आता है, तो इसका मतलब है कि आपकी त्वचा तैलीय है। संभव है कि तेल केवल टी जोन यानी ललाट, नाक और टुड्डी पर ही नजर आए। ऐसी त्वचा कॉम्बिनेशन स्किन की श्रेणी में आती है, पर इसकी देखभाल तैलीय त्वचा की तरह की करनी पड़ती है। नहीं तो, रोमछिद्रों का आकार धीरे-धीरे बड़ा होकर बाकी त्वचा भी वैसी ही बन जाएगी।

इसलिए हो जाती है त्वचा तैलीय

त्वचा में सिबेसियस ग्लैंड मौजूद होती हैं जो त्वचा के लिए तेल बनाने का काम करती हैं। एक हद तक इस तेल की जरूरत त्वचा को होती है, जिससे त्वचा लचीली और चमकदार बनी रहती है। लेकिन अगर किसी भी कारण से त्वचा में मौजूद नमी के स्तर में गिरावट आने लगती है तो त्वचा ज्यादा तेल बनाने लगती है और त्वचा का प्रकार बदल जाता है। तैलीय त्वचा के पीछे कई कारण शामिल हो सकते हैं, जैसे कि जेनेटिक्स, आप कहां रह रही हैं, आपकी उम्र, शरीर में पानी का स्तर, हार्मोन में बदलाव और त्वचा की देखभाल का आपका तरीका आदि।

ऐसे उत्पादों का करें इस्तेमाल

तैलीय त्वचा की देखभाल में टोनर खासे मददगार होते हैं। पर, ध्यान रखें कि उसमें एल्कोहल की मात्रा ज्यादा न हो। इससे त्वचा की नमी और कम होगी और त्वचा और ज्यादा तेल बनाएगी।

क्लींजर भी जेल वाले और हल्के इस्तेमाल करें ताकि त्वचा को रूखेपन का सामना न करना पड़े।

अगर सैलिसिलिक एसिड का इस्तेमाल कर रही हैं तो पहले विशेषज्ञ से परामर्श लें।

विटामिन-सी सीरम मुहांसे की समस्या से निजात दिलाएगा।

अगर त्वचा बहुत जल्दी-जल्दी तैलीय हो रही है, तो अतिरिक्त तेल को हटाने के लिए ब्लोटिंग पेपर का इस्तेमाल करें।

एटीएम के बाहर झाड़ियां साफ करने, त्रिमूर्ति कैंटीन में कोयला बंद करने के निर्देश

सुबह-सुबह आयुक्त का वार्ड निरीक्षण, सफाई और अतिक्रमण पर कसे शिकंजा

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल सोमवार तड़के सुबह 6:30 बजे अधिकारियों के साथ शहर के वार्डों के निरीक्षण पर निकले। इस दौरान उन्होंने कई स्थानों की स्वच्छता व्यवस्था देखी और जहां अव्यवस्था व अतिक्रमण पाया गया, वहां तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। आयुक्त ने साफ कहा कि शहर की स्वच्छता और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है, और इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहें। एटीएम के बाहर उगी झाड़ियां हटवाने के निर्देश-निरीक्षण के दौरान आयुक्त सुमित अग्रवाल ने सबसे पहले जिला सहकारी बैंक के एटीएम परिसर पहुंचे। वहां एटीएम के बाहर झाड़ियां और गंदगी फैली हुई दिखी। उन्होंने तुरंत सफाई अमले को बुलाकर झाड़ियों को हटाने और आसपास की साफ-सफाई दुरुस्त करने के निर्देश दिए। त्रिमूर्ति कैंटीन में कोयले से चाय बनाने पर रोक-आयुक्त जब तहसील कार्यालय परिसर स्थित त्रिमूर्ति कैंटीन पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि यहां चाय-नाश्ता बनाने में अब भी कोयले का उपयोग हो रहा है। उन्होंने इसे पर्यावरण और स्वच्छता की दृष्टि से अनुचित बताते हुए तुरंत कोयले का उपयोग बंद करने का आदेश दिया। साथ ही कैंटीन संचालक को नोटिस जारी कर वैकल्पिक व्यवस्था अपनाने की बात कही। जल परिसर में फैला कचरा हटवाया-निरीक्षण दल जब जल परिसर क्षेत्र पहुंचा तो वहां लोगो के द्वारा फेके गए बाउंड्रीवाल के अंदर कचरे का ढेर मिला। इस पर आयुक्त ने मौके पर मौजूद अमले को तुरंत सफाई करने का आदेश दिया। साथ ही आसपास रहने वाले लोगों को कचरा न फैलाने की सख्त चेतावनी भी दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद यदि लोग सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकते पाए गए तो उन पर जुर्माना लगाया जाएगा। गांधी चौक पर अस्थायी दुकान जप्त करने के निर्देश-गांधी चौक निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने देखा कि दीवार से सटाकर एक अस्थायी दुकान का स्ट्रक्चर खड़ा किया गया है। इसे उन्होंने अतिक्रमण मानते हुए निगम के अतिक्रमण विभाग को तत्काल स्ट्रक्चर जप्त करने के निर्देश दिए। शहर की स्वच्छता सर्वोच्च प्राथमिकता-निरीक्षण के अंत में आयुक्त अग्रवाल ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा-नगर निगम का मुख्य उद्देश्य शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाना है। इसके लिए रोजाना निरीक्षण होगा और जहां भी गड़बड़ी मिलेगी, वहां तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

दोपहियां वाहनों को चालक के हेलमेट पहनने पर ही पेट्रोल पम्प से मिलेगा पेट्रोल

दुर्ग। दुर्ग जिले में दोपहियां वाहनों को चालक के हेलमेट पहनने पर ही पेट्रोल पम्प से पेट्रोल मिलेगा। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अभिजीत सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 183 के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए आदेश पारित किया है। जिला दंडाधिकारी के आदेशानुसार बिना हेलमेट के दोपहियां वाहन चलाने वाले वाहन चालक/सवार को किसी भी पेट्रोल पम्प के संचालकों की ओर से आकस्मिक सेवा मेडिकल इमरजेंसी एवं धार्मिक पगड़ी पहनने वाले व्यक्तियों को छोड़कर पेट्रोल एवं अन्य उपयोगी ईंधन उपलब्ध नही कराए जाएंगे। सभी पेट्रोल पम्प संचालक उक्त नीति के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु पेट्रोल पम्प परिसर में ''नो हेलमेट नो पेट्रोल'' का सुस्पष्ट बोर्ड/ पोस्टर अनिवार्य रूप से लगाएंगे। आदेश का उल्लंघन किये जाने पर पेट्रोल पम्प संचालकों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के तहत विधि अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश जनहित में नागरिकों के जीवन की सुरक्षा के दृष्टिकोण से तत्काल पारित किया जाना अत्यावश्यक है। अतएव आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (2) के तहत एक पक्षीय जारी किया गया है।

गणेश चतुर्थी महोत्सव: दुर्ग यातायात पुलिस ने बनाई विशेष योजना, जनता से सहयोग की अपील

दुर्ग। आगामी गणेश चतुर्थी महोत्सव के दौरान सुचारु यातायात व्यवस्था और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु 25 अगस्त 2025 को नेहरू नगर, दुर्ग स्थित यातायात कार्यालय में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में यातायात प्रबंधन, मार्ग विचलन योजना, भीड़ नियंत्रण एवं पार्किंग व्यवस्था पर विस्तृत विचार-विमर्श कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। गणेश प्रतिमा स्थापना एवं विसर्जन स्थलों के आसपास अतिरिक्त यातायात पुलिस बल की तैनाती। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में रूट डायवर्जन प्लान लागू कर यातायात का सुव्यवस्थित संचालन। आयोजन स्थल एवं मुख्य मार्गों के निकट पार्किंग जोन चिन्हित कर नियंत्रित पार्किंग व्यवस्था। आपातकालीन सेवाओं के लिए स्वतंत्र मार्ग सुरक्षित रखना। यातायात व्यवस्था की सतत निगरानी हेतु कैमरों एवं कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग। बैरिकेडिंग एवं साइन बोर्ड्स के माध्यम से श्रद्धालुओं को दिशा-निर्देश प्रदान करना। जनता से अपील-यातायात पुलिस, दुर्ग ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि -पुलिस द्वारा निर्धारित मार्ग एवं पार्किंग व्यवस्था का पालन करें। अनावश्यक रूप से भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में वाहन प्रवेश से बचें। प्रतिमा स्थल एवं विसर्जन मार्ग पर पैदल चलने व सुरक्षा बैरिकेडिंग का पालन करें। यातायात पुलिसकर्मियों के निर्देशों का सहयोगात्मक भाव से पालन करें। यातायात पुलिस का कहना है कि नागरिकों के सहयोग से ही गणेश चतुर्थी महोत्सव को सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से सम्पन्न कराया जा सकेगा।

करनौद में रेत माफियाओं का बोलबाला, धान खरीदी केंद्र के पीछे फ्लाई एश बना अवैध डंपिंग का अड्डा

बम्हनीडीह। बम्हनीडीह ब्लॉक मुख्यालय के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत करनौद में रेत माफियाओं का आतंक दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है । हसदेव नदी से जेसीबी लगाकर धड़ल्ले से अवैध उत्खनन किया जा रहा है और ट्रैक्टरों के जरिए करनौद के धान खरीदी केंद्र के पीछे स्थित श्वेता फ्लाई एश में भारी मात्रा में रेत का भंडारण किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह सब कुछ अधिकारियों के नाक के नीचे हो रहा है और बिलासपुर की गाड़ियां बिना रॉयल्टी के रातों-रात यहां से रेत की सप्लाई कर रही हैं। स्थानीय लोगों में इस अवैध कारोबार को लेकर गहरा आक्रोश है और उन्होंने प्रशासन से तुरंत सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नदी से खुलेआम हो रहा उत्खनन

ग्राम पंचायत करनौद से लगे हसदेव नदी में जेसीबी मशीनें दिन-रात अवैध उत्खनन कर रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नदी के प्राकृतिक प्रवाह और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के बावजूद खनिज विभाग और प्रशासन इस पर कोई रोक नहीं लगा पा रहा है। नदी किनारे का बड़ा इलाका अब गड्ढों में तब्दील होता जा रहा है।

धान खरीदी केंद्र के पीछे बना रेत का अड्डा

गांव के धान खरीदी केंद्र के पीछे स्थित श्वेता फ्लाई एश परिसर में रेत का भारी भरकम डंपिंग किया गया है। यहां प्रतिदिन सैकड़ों ट्रैक्टर रेत उतारते हैं और जब स्टॉक खाली हो जाता है तो माफिया तुरंत नया स्टॉक भरने में लग जाते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि लगभग सौ ट्रैक्टर रेत का स्टॉक एक साथ जमा होता है और अगले ही दिन इसकी सप्लाई बिलासपुर तक कर दी जाती है।

ग्रामीणों का आक्रोश और कार्रवाई की मांग

लगातार बढ़ते अवैध कारोबार से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि रेत माफिया खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं और प्रशासन केवल मूकदर्शक बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारियों की मिलीभगत के बिना इतने बड़े स्तर पर अवैध उत्खनन और डंपिंग संभव ही नहीं है। लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर कब तक खनिज विभाग और प्रशासन आंखें मूंदकर बैठे रहेंगे।

दुर्ग जिले के 6 शिक्षकों को आईआईटी जम्मू में मिलेगा प्रशिक्षण का अवसर

दुर्ग। प्रधानमंत्री योजना के तहत दुर्ग जिले के छह शिक्षकों का चयन आईआईटी जम्मू में विशेष स्किल ट्रेनिंग कार्यक्रम के लिए किया गया है। यह प्रशिक्षण 4 से 8 सितंबर तक आयोजित होगा, जिसमें चयनित शिक्षक आईआईटी जम्मू के प्रोफेसरों से आधुनिक शिक्षण तकनीकों एवं कौशल की बारीकियां सीखेंगे और उन्हें अपने विद्यालयों में लागू करेंगे। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए जिन शिक्षकों का चयन हुआ है, उनके नाम इस प्रकार हैं -बीना साहा (पीएम सेजेस बालाजी नगर, खुर्सीपार) अंकिता सिंह (पीएम सेजेस नगपुरा) भावना वर्मा (पीएम सेजेस जामुल) भावेश निशांत बंजारे (पीएम सेजेस बोरी) शीतल नैय्यर (पीएम सेजेस कुम्हारी) अर्पणा मून (पीएम सेजेस अहिवारा) ये सभी शिक्षक समग्र शिक्षा के राज्य प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर आशीष गौतम के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

राज्य से 151 शिक्षक होंगे शामिल-इस राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम में पूरे छत्तीसगढ़ से कुल 151 शिक्षक भाग लेंगे। प्रशिक्षण के उपरांत वे अपने-अपने विद्यालयों में विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए नवाचार और आधुनिक तकनीक का उपयोग करेंगे।

शिक्षा विभाग ने दी बधाई-दुर्ग जिले के शिक्षा विभाग ने चयनित शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विभाग का मानना है कि यह प्रशिक्षण जिले में शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगा।

सड़क है या मौत का जाल, सुशासन तिहार में आवेदन देने के बाद भी नहीं सुधरी अमलेश्वर की मुख्य सड़क

अमलेश्वर। अमलेश्वर नगर पालिका परिषद क्षेत्र की जर्जर सड़कों ने नागरिकों की परेशानी बढ़ा दी है। मुख्य मार्ग खुडमुड़ा रोड पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढे अब दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। हालत यह है कि यह सड़क लोगों के लिए सुविधा के बजाय खतरा बन गई है। वार्ड पार्षद राजू सोनकर ने इस गंभीर समस्या को उठाते हुए कहा कि लोक निर्माण विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी सड़क मरम्मत और रखरखाव की है, लेकिन विभाग और स्थानीय प्रशासन दोनों ही आंख मूंदे बैठे हैं। सुशासन तिहार के अवसर पर अमलेश्वर नगर पालिका परिषद द्वारा नागरिक समस्याओं के समाधान के लिए विशेष शिविर आयोजित किया गया था। उस दौरान जल निकासी और सड़क मरम्मत जैसी प्रमुख समस्याएं नागरिकों ने दर्ज कराई थीं, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई। जनता रोजाना परेशान है, दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है। आवेदन देकर नागरिक थक चुके हैं लेकिन समाधान अब तक शून्य है। अधिकारी सिर्फ सुनवाई का दिखावा कर रहे हैं।

जिम्मेदार विभागों पर सवाल-स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की लापरवाही के कारण स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। बरसात के दिनों में यह सड़क और भी खतरनाक हो गई है।

भिलाई शहर के विकास को लेकर विधायक रिकेश सेन ने ली समीक्षा बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

भिलाई नगर। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में शहर के विकास कार्य को लेकर अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली और भिलाई शहर में जो भी निर्माण, विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य हो रहे हैं, उन सभी कार्यो को गुणवत्तायुक्त एवं समय सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। सेन ने कहा कि मूलभूत जितने भी कार्य कराए जा रहे हैं या कराए जाने हैं, उनका उपयोग अति आवश्यक कार्यो को ध्यान में रखकर किया जाए। संपत्ति कर एवं जल कर वसूली सहित भवन अनुज्ञा जारी कर राजस्व वृद्धि को बढ़ाने में प्राथमिकता के भी उन्होने निर्देश दिए। नगर निगम द्वारा अंबाटित जमीन एवं बसाई हुई कॉलोनियों में मूलभूत सूविधाओं को प्राथमिकता देते हुये प्रस्ताव भेजने कहा। साथ ही पुराने जर्जर वाम्बे, अटल, रैशन, आईएचएसडीपी आवासो के निर्माण में प्राथमिकता पर भी चर्चा की गयी। विधायक द्वारा समीक्षा करते हुए निगम क्षेत्रांतर्गत निर्माण, विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य जो वर्तमान में संचालित हैं उसके सतत निरीक्षण पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा जो ठेकेदार कार्य गुणवक्तायुक्त नहीं कर रहे है और मनमानी कर रहे है, उन्हे ब्लेक लिस्ट किया जावे। ठेकेदार या जनप्रतिनिधियों के कर्मचारियों के प्रति दुर्व्यवहार के लिये कार्यवाही हेतु संभागायुक्त को नोटशीट लिखी जावे। संपदा विभाग की राजस्व अधिकारी से कहा गया कि संपदा विभाग के कार्यो को प्राथमिकता देने से आम नागरिकों को सुविधा होगी। नामांतरण के कार्यो को अविलंब पूर्ण किया जावे। राजस्व विभाग संबंधी जमीन का आंकड़ा एवं लेखा जोखा का दुरस्तीकरण किया जावे। जवाहर नगर स्थित निगम स्वामित्व जमीन से अवैध कब्जा को मुक्त कराना है, साथ ही निगम स्वामित्व के जमीन में धर्म के नाम पर अवैध कब्जा को रोका जाना होगा। जैसे अवैध मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर के निर्माण को रोका जाये। निगम स्वामित्व के कालोनियों में मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जावे। शासन को रोड, नाली, लाइटिंग के सुविधाओं को मुहैया कराने प्राथमिकता देना है। प्रियदर्शिनी परिसर, राधिका नगर, नेहरू नगर, साकेत नगर, स्लाटर हाउस रोड एवं अन्य निगम स्वामित्व द्वारा आंबटित भूमि पर निर्मित कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाओं को प्रथामिकता दिया जाये। ऐसे ही अन्य और कालोनी या बस्ती जहां कार्य की आवश्यकता है, तत्काल प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जावे। केनाल रोड का विस्तारीकरण किया जाना है, जिसके लिए शासन से प्रस्ताव अनुसार स्वीकृति मिल गई है।

जिला पंचायत सभापति ने जताई नाराजगी, बोले- गोलमटोल जवाब देकर बचते हैं जिम्मेदारी से अधिकारी

रानीतराई। पाटन विधानसभा क्षेत्र के रानीतराई इलाके में हो रही अघोषित बिजली कटौती पर जिला पंचायत सभापति कल्पना नारद साहू ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है।

लगातार कटौती से आमजन परेशान-प्रतिनिधि नारद साहू ने बताया कि क्षेत्र में आए दिन बिजली कटौती की जा रही है, जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। बिना किसी पूर्व सूचना के घंटों बिजली बंद कर दी जाती है, जिससे आमजन और व्यापारी वर्ग दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल-नारद साहू ने स्पष्ट कहा कि विभागीय अधिकारी और कर्मचारी समस्या का स्थायी समाधान नहीं कर पा रहे हैं। जेई और एई जैसे जिम्मेदार अधिकारी न तो समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और न ही ठोस कार्रवाई करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी गोलमटोल जवाब देकर जिम्मेदारी से बचने का प्रयास करते हैं। सुधार की मांग-सभापति ने विभाग को चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि अब समय आ गया है कि विद्युत विभाग अपनी कार्यशैली में सुधार लाए। क्षेत्र में नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। जनता की शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु प्रभावी प्रणाली विकसित की जाए। बिना पूर्व सूचना बिजली कटौती पर तुरंत रोक लगाई जाए।

राजनीतिक हलकों में चर्चा-यह मुद्दा अब पाटन विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में भी चर्चा का विषय बन गया है। भाजपा जिला पंचायत सभापति कल्पना नारद साहू द्वारा उठाए गए सवालों ने विभागीय अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

'सशक्त एप' बना दुर्ग पुलिस का हथियार, 19 चोरी की बाइक बरामद

थाना मोहन नगर पुलिस और गठित टीम की संयुक्त कार्रवाई

भिलाई नगर। थाना मोहन नगर पुलिस ने गठित टीम के साथ मिलकर बड़ी सफलता हासिल की है। इस संयुक्त कार्रवाई में नाबालिक बालकों सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों से कुल 19 दोपहिया वाहन जब्त किए हैं, जिनमें 10 एक्टिवा और 9 मोटरसाइकिल शामिल हैं। बरामद मशरूका की कुल कीमत लगभग 15 लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार दो नाबालिक बालक एवं एक आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वे अपने शौक पूरा करने के लिए मोटरसाइकिलों की चोरी करते थे। चोरी की गाड़ियों को तुरंत सस्ते दाम पर परिचितों के माध्यम से बेच दिया जाता था। चोरी की गाड़ियों को यह जानते हुए कि वे बिना नंबर और बिना कागजात की हैं, 14 लोगों ने खरीदा। पुलिस ने इन खरीददारों के खिलाफ भी कार्रवाई शुरू कर दी है। दुर्ग पुलिस द्वारा जिले में चलाई जा रही सशक्त एप÷ योजना के तहत लावारिस और चोरी की गाड़ियों की लगातार खोजबीन की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर ग्रीन चौक के पास तीन संदिग्ध लड़कों को पकड़कर पूछताछ की गई, जिससे चोरी का बड़ा खुलासा हुआ। यह पूरी कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देशन में की गई।इस कार्रवाई में गठित टीम के सउनि. चंद्रशेखर सोनी प्र.आर. मनीष अग्निहोत्री आरक्षक हिमांशु जंघेल।

साइबर ठगी का बड़ा खुलासा : महिला के खाते में आए 4.5 लाख रुपये

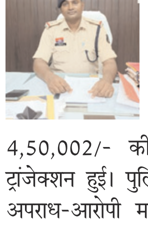

दुर्ग। गृह मंत्रालय के समन्वय पोर्टल से मिली जानकारी के आधार पर कुम्हारी थाना पुलिस ने ऑनलाइन ठगी में शामिल महिला को चिन्हित कर उसके खिलाफ अपराध दर्ज किया है। थाना प्रभारी उप निरीक्षक योगेश्वर कुमार वर्मा ने बताया कि AcknowledgmentNo-3190********** के माध्यम से मिली सूचना के अनुसार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, शाखा कुम्हारी के खाते क्रमांक 4********** में संदिग्ध लेनदेन हुआ। खाते में जमा हुई ठगी की रकम-पुलिस जांच में पाया गया कि यह खाता निशा बेहरा पति बबलू बेहरा, उम्र 33 वर्ष, निवासी डीएमसी तालाब पार, वार्ड 18, बड़पेड के पास, कुम्हारी जिला दुर्ग के नाम पर है। महिला ने अपने पहचान दस्तावेज (आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि) देकर बैंक खाता खुलवाया और जानते हुए भी इसे साइबर ठगी से अर्जित रकम जमा करने के लिए इस्तेमाल किया। खाते में 4,50,002/- की ठगी की राशि ट्रांजेक्शन हुई। पुलिस ने दर्ज किया अपराध-आरोपी महिला के खिलाफ धारा 317(2), 318(4) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने छलपूर्वक और बेईमानी से ठगी की रकम अपने खाते में प्राप्त कर अवैध धन लाभ अर्जित किया। कुम्हारी थाना प्रभारी योगेश्वर कुमार वर्मा ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति को अपने बैंक खाते या दस्तावेज का उपयोग करने न दें।साइबर ठग लोगों को आसान लाभ का लालच देकर खातों का दुरुपयोग करते हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com